



@Qpatrika



@qaumipatrika
hindi



instagram.com/
qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शनिवार, 3 अक्टूबर 2026

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बख्तर वर्ष 19 अंक 330 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मैं घायल था, लेकिन यात्रियों को मरते नहीं देख सकता था

पीएम मोदी से वीडियो कॉल पर बोले

पायलट रिमत मछार

पीएम मोदी ने फ्लाईडुबई के भारतीय पायलट कैप्टन रिमत मछार से वीडियो कॉल पर बात कर उनके अदम्य साहस की सराहना की।

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को फ्लाईडुबई के भारतीय पायलट कैप्टन रिमत मछार से वीडियो कॉल पर बात की और एक बड़े विमान हादसे को टालने के लिए उनके अदम्य साहस की सराहना की। बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान के दौरान ओमानी मूल के को-पायलट ने कैप्टन रिमत पर चाकू से हमला कर विमान को क़ैश कराने की कोशिश की थी। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन रिमत ने सूझबूझ से कॉकपिट का दरवाजा खोला, जिसके बाद यात्रियों और कर्



मेंबर्स ने हमलावर को काबू किया। बोइंग 737 मैक्स विमान मात्र 30 सेकंड में करीब 14,000 फीट नीचे आ गया था, जिसे विमान में मौजूद दो अन्य ऑफ-ड्यूटी पायलटों ने संभालते हुए सज्जदी अरब के तबुक में सुरक्षित लैंड कराया।

कॉकपिट में मौत से संघर्ष

के वो खौफनाक पल

मूल रूप से गुजरात के रहने वाले कैप्टन रिमत मछार बातचीत के दौरान भावुक हो गए। उन्होंने बताया कि कॉकपिट में उन पर कई बार किए गए थे और वे खून से लथपथ होकर नीचे गिर गए थे। उन्होंने बताया कि मुझे विमान उड़ते हुए 17 साल और कैप्टन

नीचे गिरे होने के बावजूद मुझे महसूस हो गया था कि विमान तेजी से नीचे की ओर गोता लगा रहा है। मुझे लगा कि अगर मैंने कुछ नहीं किया, तो हम सब मारे जाएंगे। इसके बाद उन्होंने किसी तरह कॉकपिट का दरवाजा खोला और लोगों की मदद से विमान सुरक्षित बच सका।

के रूप में 11 साल हो चुके हैं। मेरे पास 9,750 से ज्यादा घंटों का उड़ान अनुभव है, इसलिए मैं आंखें बंद करके भी समझ सकता हूं कि विमान के साथ क्या हो रहा है।

हम धर्मांतरण नहीं करवाते, मोहन भागवत बोले- पूरी दुनिया को है हमारी जरूरत

आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने कहा कि हमारी नीति ना तो कच्चा करने की रही है और ना ही धर्मांतरण करने की। इसके बाद भी राष्ट्र जीता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र और धर्म एक दूसरे से अलग नहीं हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख ने अखिल भारतीय विहार सेवा समूह के 14वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण संरक्षण, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन, तथा धार्मिक आस्था और संघर्ष के बीच विरोधाभासों से जूझ रही है। उन्होंने कहा, "जैसे-जैसे विकास बढ़ता है, पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। वहीं, जहां पर्यावरण की रक्षा करनी होती है, वहां विकास नहीं हो पाता। जैसे-जैसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता बढ़ती है, परिवार बिखर रहे हैं। समाज में भी विघटन हो रहा है।



भारत से ही निकलेगा रास्ता भागवत ने कहा कि भारत की ऐतिहासिक परंपरा रही है कि वह दूसरे देशों पर जीत हासिल किए बिना या लोगों का धर्मांतरण किए बिना अपना ज्ञान साझा करता रहा है। उन्होंने कहा, "दुनिया जानती है कि रास्ता भारत से निकलेगा। उन्होंने कहा कि भारत के पास

एक विशाल ज्ञान परंपरा है जिसमें वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, गीता, जैन आगम, त्रिपिटक, गुरु ग्रंथ साहिब और सतों की शिक्षाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा, "हमारे देश के पास ज्ञान का एक बहुत बड़ा खजाना है, जिसकी आज दुनिया को जरूरत है।

राष्ट्र कमजोर होने से धर्म खतरे में पड़ जाता है

भागवत के अनुसार, इस ज्ञान को आगे बढ़ाने वाले लोगों के जीवन और परंपराओं की रक्षा करना केवल एक धार्मिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि मानवता की सेवा है। भागवत ने यहां कहा, "हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक है तो दूसरा भी है और अगर एक नहीं है तो दूसरा भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्र कमजोर होता है तो धर्म भी खतरे में पड़ जाता है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 02 अक्टूबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूज्य बापू की जयन्ती के साथ ही आज भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और पूज्य बापू के अनन्य अनुयायी श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की भी जयन्ती है। इन दोनों महापुरुषों का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। इनके जीवन से यह सीख मिलती है कि वाणी में तभी प्रभाव और शक्ति आती है, जब व्यक्ति के आचार और विचार में समन्वय हो। दोनों महापुरुषों ने जो कहा, उसे अपने जीवन में करके दिखाया। मुख्यमंत्री जी आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती पर यहां हजरतगंज स्थित क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वो श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर भी माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री जी ने चरखा चलाया तथा गांधी आश्रम में खादी के वस्त्र खरीदे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुजरात के पोरबंदर में एक वैष्णव परिवार में जन्मे महात्मा गांधी ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद दक्षिण अफ्रीका में वकालत की। अपने पारिवारिक संस्कारों के अनुरूप उन्होंने अन्याय और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई तथा रंगभेद के खिलाफ संघर्ष किया। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय मूल के नागरिकों को एकजुट कर उन्होंने अभियान चलाया और

यहीं से भारत की स्वाधीनता की अलख जगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। महात्मा गांधी ने भारत के स्वाधीनता आन्दोलन को लोकतान्त्रिक और शान्तिपूर्ण तरीके से नेतृत्व प्रदान करते हुए, इसे जन आन्दोलन में



परिवर्तित किया। उनके मंत्र आज भी प्रासंगिक हैं। प्रत्येक नागरिक स्वच्छता व स्वदेशी को जीवन का मंत्र बनाए। प्रत्येक परिवार आत्मनिर्भर बनने के निरन्तर प्रयास करें।

शेष पृष्ठ 3 पर

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के बाद अमेरिका मध्य पूर्व में अपनी सैन्य ताकत को और मजबूत करने जा रहा है।

अमेरिका क्षेत्र में अपना तीसरा विमानवाहक पोत और लगभग 9000 से 10000 अतिरिक्त सैनिक भेज रहा है। यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट और उसका स्ट्राइक ग्रुप नवंबर के अंत तक मिडिल ईस्ट पहुंच जाएगा।

पहले से तैनात हैं दो अन्य विमानवाहक पोत

बता दें कि इस समय क्षेत्र में दो अन्य विमानवाहक पोत

यूएसएस जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश और यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन पहले से ही तैनात हैं। इनमें से यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन को



आमतौर पर प्रशांत महासागर में तैनात किया जाता है, लेकिन लंबी तैनाती के बाद यूएसएस अब्राहम लिंकन को राहत देने के लिए इसे मिडिल ईस्ट भेजा गया

है। इस नई तैनाती से क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना की उपस्थिति अभूतपूर्व रूप से बढ़ जाएगी,



जिसमें 20000 से अधिक नाविक और मरीन के साथ-साथ सैकड़ों लड़ाकू विमान शामिल होंगे।

ट्रंप ने ठुकराया ईरान का

शांति प्रस्ताव

गौरतलब है कि पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा (हब) में ईरान की तरफ से कतरी मध्यस्थों के जरिए अमेरिका को भेजे गए शांति प्रस्ताव को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सिरे से खारिज कर दिया है।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि वे तुरंत हेर्मुज को खोलने के लिए एक समझौता करना चाहते हैं क्योंकि वे बहुत बुरी तरह हार रहे हैं।

फ्लाईडुबई घटना पर ईरान से जुड़े होने का संकेत

दूसरी ओर बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने उस घटना का भी जिक्र किया जिसमें हाल ही में फ्लाईडुबई के एक विमान में को-

अमेरिका मध्य पूर्व में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है, जिसमें तीसरा विमानवाहक पोत और 9000 से 10000 अतिरिक्त सैनिक भेजे जा रहे हैं।

पायलट ने कैप्टन पर चाकू से हमला कर दिया था। जब ट्रंप से यह पूछा गया कि क्या इस हमले का संबंध ईरान से है, तो उन्होंने जवाब दिया कि मैं जो सुन रहा हूं, उसके आधार पर मेरा जवाब हां होगा, लेकिन हम अभी इस पर काम कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका इसके लिए ईरान पर जवाबी कार्रवाई करेगा, ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा, ओह, उन्हें बहुत जोर से मारा जाएगा, चिंता मत करो।

कर्नाटक: अब तक 43.43 लाख SIR नोटिस दिए गए, 84,900 फॉर्म-7 आवेदन प्राप्त हुए

एजेंसी

कर्नाटक। मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अब तक 43.43 लाख से अधिक मतदाताओं को नोटिस दिए जा चुके हैं, जबकि एक अक्टूबर तक निर्वाचन आयोग को फॉर्म-7 के 84,900 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि 16 जून से एक अक्टूबर के बीच मिले 84,900 'फॉर्म 7' आवेदनों में से किसी को भी किसी नाम को शामिल करने के प्रस्ताव पर आपत्ति के तौर पर दाखिल नहीं किया गया था।

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी. अनबुकुमार ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया कि चुनाव संबंधी प्रपत्रों में जानबूझकर दल बयान या घोषणा करने वाले आवेदकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए। यह निर्देश पात्र मतदाताओं के नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 के बड़े पैमाने पर दाखिल किए जाने के आरोपों के बाद दिया गया। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया जब मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों और विधायकों के साथ

सीईओ कार्यालय के बाहर धरना दिया और जारी एसआईआर के दौरान फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने तथा जांच की मांग



की। फॉर्म 7 का इस्तेमाल मतदाता सूची में किसी नाम को शामिल करने के प्रस्ताव पर आपत्ति दर्ज करने या मौजूदा सूची से किसी नाम को हटाने की मांग करने के लिए किया जाता है। सीईओ कार्यालय ने एक बयान में कहा, दो अक्टूबर तक राज्य की मतदाता सूची में कुल 4,49,81,740 मतदाता थे जिनमें 2.23 करोड़ पुरुष, 2.26 करोड़ महिलाएं और 2,864 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

नंदीग्राम में खामोश हैं ममता के सपोर्टर? कहीं बीजेपी के लिए घातक ना जाए कांग्रेस प्रत्याशी की गिरफ्तारी

एजेंसी

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल में सत्ता बदलने के बाद नंदीग्राम के भी हालात एकदम बदल गए हैं। कभी ममता बनर्जी का गढ़ मानी जाने वाली नंदीग्राम सीट पर उपचुनाव है और यहां ममता बनर्जी का एक भी पोस्टर नहीं देखा जा सकता। यहां मुकाबला बीजेपी की हासी रानी रथ और कांग्रेस के मिलन प्रधान के बीच है। वहीं ममता बनर्जी ने कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन का ऐलान कर दिया है। ऐसा नहीं है कि ममता बनर्जी ने अपना प्रत्याशी उतारा नहीं था। उन्होंने सचिचा प्रधान डे को उम्मीदवार बनाया था। लेकिन सचिचा प्रधान ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात की और फिर चुनावी मैदान छोड़ दिया।

क्यों शुभेंदु अधिकारी के लिए प्रतिष्ठा की बात नंदीग्राम सीट शुभेंदु अधिकारी के लिए प्रतिष्ठा की सीट बन गई है। एक तो उन्होंने ही यह सीट छोड़ी थी और इसलिए उपचुनाव होने जा रहे हैं। दूसरा उन्होंने अपने सहयोगी रहे चंद्रनाथ रथ की मां हासी रानी रथ को चुनाव में उतारा है। ऐसे में यह सीट उनके लिए बेहद अहम हो गई है।



साइनबोर्ड पर हिंदी देखकर भड़क गए विजय थलपति, 2 अधिकारी सीधे सरपेंड हो गए

कार्रवाई शुरू की गई है। सरकार ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि राज्य की दो-भाषा नीति का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एजेंसी

तमिलनाडु। तमिलनाडु में भाषा विवाद को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। तमिलनाडु की विजय सरकार ने हाईवे पर लगे साइनबोर्ड में हिंदी शब्दों के इस्तेमाल के मामले में एक हैरान कर देने वाला कदम उठाया है। सरकार ने इस मामले में दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है सरपेंड कर दिया है। सरकार ने शुक्रवार को बताया कि राज्य के हाईवे पर लगे साइनबोर्ड में हिंदी शब्दों के इस्तेमाल के मामले में दो अधिकारियों को सरपेंड कर दिया गया है। सरकार के मुताबिक, यह कार्रवाई तमिल और अंग्रेजी को आधिकारिक भाषाओं के रूप में इस्तेमाल करने वाली राज्य की दो-भाषा नीति के उल्लंघन के चलते की गई है।

विजय सरकार ने लिया एक्शन विजय सरकार ने हाईवे विभाग के एक

असिस्टेंट इंजीनियर के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है। सरकार ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि राज्य की दो-भाषा नीति का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के



खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले के सथानकुलम में सड़क की दिशा बताने वाले साइनबोर्ड पर हिंदी लिखे जाने को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद हाईवे विभाग के दो इंजीनियरों को सरपेंड कर दिया गया।

2 रुपये का पेमेंट पड़ा भारी, खाते से उड़े 3.97 लाख; कूरियर डिलीवरी के नाम पर साइबर फ्रॉड करने वाले तीन गिरफ्तार

दक्षिणी पूर्वी साइबर पुलिस ने कूरियर डिलीवरी के नाम पर ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश कर मास्टरमाइंड नासिर हुसैन सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

एजेंसी

भोपाल। दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी पूर्वी साइबर थाना पुलिस ने साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मास्टरमाइंड नासिर हुसैन समेत शौकीन और आशीष आर्य को गिरफ्तार किया है। आरोपित कूरियर डिलीवरी का पता अपडेट करने के बहाने एपीके फाइल भेजकर ठगी करते थे। पुलिस के मुताबिक सात मई को शिकायतकर्ता जितेंद्र कुमार गुप्ता को एक वाट्सएप मैसेज मिला जिसमें कूरियर सर्विस का डाट एपीके



वाली फाइल थी।

कैसे की एक मैसेज से धोखाधड़ी?

मैसेज में कूरियर डिलीवरी का पता अपडेट करने के लिए भेजा गया था। फाइल

खोलने के बाद उन्हें दो रुपये का पेमेंट करने के लिए अपनी एचडीएफसी नेट-बैंकिंग की जानकारी डालनी। इसके बाद उनके अकाउंट से दो बार में 1,99,009.44 और 1,98,009.44 रुपये निकाले गए। पीड़ित ने 3,97,018.88 रुपये की कुल धोखाधड़ी को लेकर शिकायत दर्ज कराई।

जांच में 15 लाख के ट्रांजेक्शन भी सामने आए

बैंकिंग और पेमेंट रिकॉर्ड्स की बारीकी से जांच करने पर पता चला कि

शिकायतकर्ता के अकाउंट से 3,97,000 का इस्तेमाल एचपीसीएल ड्राइव ट्रेक प्लस कस्टमर आइडी 4002211199 को रिकार्ड करने के लिए किया गया था। इस कस्टमर आइडी से दो ट्रक रजिस्ट्रेशन नंबर जुड़े पाए गए। संबंधित फ्यूल कार्ड्स के जरिए लगभग 15 लाख के ट्रांजेक्शन भी सामने आए। टीम ने टेलीकाम सब्सक्राइबर की जानकारी, सिम जारी करने के रिकॉर्ड, प्वाइंट-ऑफ-सेल की जानकारी और फ्यूल-कार्ड एनरोलमेंट रिकॉर्ड्स की जांच की।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी

प्रथम पृष्ठ का शेष
जिस समय देश में निराशा और हताशा का वातावरण था और लोगों को लगता था कि भारत शायद कभी स्वतन्त्र नहीं हो सकेगा, उस समय महात्मा गां की नेतृत्व और मार्गदर्शन में भारतीय समाज उस निराशा से उबरकर स्वाधीनता के लिए उसाहपूर्वक आगे बढ़ा। स्वतन्त्रता आन्दोलन कुछ नगरों तक सीमित न रहकर गांव-गांव तक पहुंचा। नर, नारी और बच्चे सभी इस आन्दोलन का हिस्सा बने। दुनिया के लिए यह आश्चर्य का विषय था कि आधी थोती पहनने वाला तथा हाथ में एक लाठी का सहारा लेने वाला व्यक्ति किस प्रकार करोड़ों भारतीयों को एकजुट कर स्वतन्त्रता आन्दोलन का नेतृत्व कर रहा है। भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन में स्वदेशी और खादी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गांधी जी ने चरखे को केवल वस्त्र निर्माण का माध्यम नहीं, बल्कि स्वावलम्बन, आत्मसम्मान और आर्थिक स्वतन्त्रता का प्रतीक बनाया। आज भी खादी केवल वस्त्र नहीं है, बल्कि यह भारत की स्वतन्त्रता की स्मृति, स्वदेशी की भावना और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने के लिए देश में स्वच्छ भारत अभियान प्रारम्भ किया। इस अभियान के माध्यम से 12 करोड़ से अधिक परिवारों के घरों में शौचालयों का निर्माण किया गया। स्वच्छ भारत अभियान केवल स्वच्छता और स्वस्थ भारत की आधारशिला नहीं बना, बल्कि इसमें स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ नारी गरिमा की रक्षा का भी नया संदेश दिया। महात्मा गांधी के स्वदेशी और स्वावलम्बन के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए आज 'एक जनपद, एक उत्पाद'

22 वर्षीय लड़की का अपहरण, लोगों ने दो अपहरणकर्ताओं को पकड़ लगाई मार

गाजियाबाद। अर्ध सोसाइटी के बाहर एक 22 वर्षीय युवती का अपहरण कर लिया गया। घटना के दिवत बाद, युवती के परिवार और सोसाइटी के निवासियों ने तत्परता दिखाते हुए अपहरणकर्ताओं में से दो को पकड़ लिया। आक्रोशित भीड़ ने दोनों आरोपियों की जमकर पिटाई की और बाद में उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। युवती का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना मिलन अर्ध सोसाइटी के बाहर हुई। 22 वर्षीय युवती, जो मिलन अर्ध सोसाइटी की निवासी बताई जा रही हैं, जब वह बाहर थी तो उसका अपहरण कर लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही युवती के परिजन और सोसाइटी के अन्य निवासी तुरंत हजरत में आ गए। स्थानीय लोगों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहरण में शामिल दो आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया। गुस्साए लोगों ने दोनों अपहरणकर्ताओं की खूब पिटाई की। इसके बाद, उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने आरोपियों से पृष्ठताछ शुरू कर दी है और अपहरण में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है। फिलहाल, अपहृत युवती का कोई पता नहीं चल पाया है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन युवती की तलाश में जुट गए हैं।

बुजुर्ग ने हिम्मत दिखा घर में चोरी करने घुसे चोर को किया कमरे में बंद

मुरादनगर। यूपी के मुरादनगर स्थित शीतलपुरी कॉलोनी में बुधवार रात एक बुजुर्ग महिला ने हिम्मत दिखा घर में चोरी करने घुसे चोर को कमरे में बंद कर दिया। जबकि उसका साथी फरार हो गया। पुलिस पकड़े गए चोर से पूछताछ कर रही है। शीतलपुरी कॉलोनी निवासी ओमप्रकाश परिवार समेत रहते हैं, परिवार में पत्नी वीरों, बेटे अधिषेक व राज और बेटी प्रिया व शशि हैं। बुधवार रात परिवार के सभी सदस्य घर में अपने अपने कमरे में सोए हुए थे। रात्रि करीब 2३0 बजे ओमप्रकाश की पत्नी वीरों शौच के लिए उठीं, उन्होंने देखा मंदिर व कमरा खुला हुआ है। कमरे की लाइट जलाई तो देखा एक युवक कमरे में घुम रहा है। युवक ने महिला पर हमला कर दिया, बुजुर्ग महिला ने शोर मचाते हिम्मत दिखा चोर को कमरे में धक्का देकर बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। शोर सुनकर परिवार व कॉलोनी के लोगों जाग गए। आसपास के लोगों को मौके पर आता देख दूसरा चोर भाग गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद लोगों ने चोर को पुलिस के हवाले कर दिया। एसीपी ने बताया कि पकड़े गए चोर से पूछताछ की जा रही है, उसके फरार साथी की तलाश की जा रही है।

27 करोड़ रुपये की कर चोरी के आरोप में कारोबारी पर रिपोर्ट दर्ज

इंद्रियापुरम। राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने 27 करोड़ रुपये की कर चोरी के आरोप में इंदिरापुरम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है। राज्य कर विभाग की सहायक आयुक्त कल्पना सिंघल ने पुलिस को शिकायत में बताया कि वसुंधरा सेक्टर-2 के पते पर अग्लै 2025 में धनशै इंटरप्राइजेज नाम से फर्म पंजीकृत कराई गई। फर्म संचालक ने न सिर्फ फर्जी आईटीसी हासिल की बल्कि कर भी नहीं दिया। इससे राज्यक को करीब 27 करोड़ का नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि टीम जांच के लिए फर्म के पते पर टीम पहुंची तो वहां कोई काम होता नहीं मिला। उक्त पते पर मिले व्यक्ति ने कहा कि उन्होंने कोई फर्ज पंजीकृत नहीं कराई। शुरुआती जांच में फर्म को किराये के भवन में संचालित दिखाकर फर्जीबाई करने की बात सामने आई है। राज्य कर विभाग ने शिकायत देकर नेटवर्क में शामिल आरोपियों का पता लगाने के लिए अपील की है। फर्म ने बिना खरीददारी किए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 16.17 करोड़ रुपये की फर्जी आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का दावा किया था। साथ ही करीब 60 करोड़ रुपये की बिक्री दिखाते हुए 10.91 करोड़ रुपये के कर की देनदारी स्वीकार की।

दिल्ली हाईकोर्ट ने खेल उपकरणों की टेंडर प्रक्रिया में दखल देने से इनकार किया

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने सरकारी स्कूलों के लिए खेल तथा आउटडोर जिम उपकरणों की खरीद संबंधी टेंडर शर्तों को चुनौती देने वाली एक याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि बोली न लगाने वाले एएमएसएमई उद्यमियों द्वारा इतनी देरी से दायर की गई याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति अमित महाजन की खंडपीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि टेंडर प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी है और याचिकाकर्ताओं ने बोली प्रक्रिया में भाग नहीं लिया था। ऐसे में न्यायिक हस्तक्षेप उचित नहीं है। अदालत ने इसे 'लैचैस' (अनुचित विलंब) का स्पष्ट मामला करार दिया। याचिकाकर्ता जेम (जीईएम) पोटेल पर पंजीकृत कुछ गैर-बोलीदाता एएमएसएमई थे, जिन्होंने टेंडर में सैलप जमा करने की शर्त और अन्य प्रावधानों पर आपत्ति जताई थी। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी इस टेंडर का उद्देश्य सरकारी स्कूलों में खेल सुविधाएं बढ़ाना है।

पर भारत का जवान देश की रक्षा कर रहा है, तो खेतों में भारत का अन्नदाता किसान देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए परिश्रम कर रहा है। एक समय भारत की गेहूं और खाद्यान्न की आपूर्ति के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता था। अनेक अवसरों पर देश को ऐसी खाद्य सामग्री पर भी निर्भर रहना पड़ा, जिसकी गुणवत्ता सन्तोषजनक नहीं थी। आज भारत खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के साथ ही दुनिया के अनेक देशों की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने में भी सक्षम हुआ है। इस आत्मनिर्भरता की नींव श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के 'जय जवान, जय किसान' के मंत्र ने मजबूत की

भारतीय पायलट स्मित मच्छर ने 9/11 जैसी त्रासदी की आशंका टाली, 180 लोगों की जान बचाने में निभाई अहम भूमिका , पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया: चरणजीव मल्होत्रा

नई दिल्ली। प्रमुख समाज सेवी व गऊमाता सेवक, कोरोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने की साहस



चरणजीव मल्होत्रा

और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना कि भारतीय विमानन जगत से जु ी एक साहसिक घटना ने देश और दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। फ्लाईइंड्रबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर ने उ ीन के दौरान सह-पायलट के कथित हमले के बीच जिस साहस, धैर्य और सूझबूझ का परिचय दिया, उसकी विभिन्न स्तरों पर सराहना की जा रही है। विमान में पैदा हुई इस गंभीर स्थिति ने यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया था, लेकिन कैप्टन स्मित की कार्रवाई, यात्रियों के सहयोग और विमान में मौजूद अन्य प्रशिक्षित पायलटों की मदद से विमान को सुरक्षित उतार लिया गया। समाजसेवी चरणजीव मल्होत्रा ने कैप्टन स्मित मच्छर के साहस की सराहना करते हुए कहा

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक करूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक करूरता

प्रयासों ने स्थिति को संभालने में योगदान दिया। कैप्टन स्मित के साहस के साथ-साथ इन सभी



लोगों की भूमिका भी सराहनीय है। मल्होत्रा ने यह भी बताया कि पीएम मोदी ने उनकी बहादूरी, सूझबूझ और मुश्किल वक्त में संयम बनाए रखने की तारीफ की और पीएम मोदी ने स्मित से कहा कि पूरा देश-विदेश आपके साथ है। विमानन सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण सबक- इस घटना के बाद विमानन क्षेत्र में कॉकपिट सुरक्षा, चालक दल की निगरानी, आपातकालीन प्रतिक्रिया और यात्रियों की सुरक्षा से जुे प्रोटोकॉल पर चर्चा होना स्वाभाविक है। विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों की जांच से यह स्पष्ट करने में मदद मिल सकती है कि ऐसी घटना कैसे हुई और भविष्य में इस तरह के जोखिम को कम करने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीडित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीडित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीडित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दंदिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीम सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीडित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीडित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीडित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दंदिश दे रही है।

ससुराल में रहकर ससुर को मार डाला, बेटी पर जुल्म होता देख सह न पाए राम

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिला के सीमापुरी इलाके में एक युवक मायके में अपनी पत्नी को पीट रहा था। ससुर बीच-बचाव कराने आए तो आरोपी ससुर से उलझने लगा। कहासुनी में आरोपी ने पहले ससुर को थपड़ मारा। इसके बाद वह ससुर को घसीटकर पहली मंजिल से गली में ले आया। आरोपी ने चाकू निकालकर उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गली में भीड़ बढ़ती देखकर आरोपी वहां से फरार हो गया। गंभीर हालत में पीडित राम जतन (50) को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनको मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। क्राइम टीम व एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए। बाद में हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी दामाद संदीप (20) को सीलमपुर इलाके से दबोच लिया। उससे पूछताछ कर पुलिस वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम के बाद राम जतन का शव परिजनों के हवाले कर दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक राम जतन अपने परिवार के साथ सीमापुरी इलाके में रहते थे। इनकी बेटी नंदनी अपने पति संदीप के साथ पुराने ससुराल इलाके में रहती है। करीब डेढ़

ससुर का गिरेबान पकड़कर सीढ़ियों से नीचे घसीटता हुआ आने लगे। गली में लाते ही आरोपी ने चाकू निकालकर ससुर पर कई वार किए। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गया। अस्पताल ले जाने पर राम जतन को मृत घोषित कर दिया गया।

NAME CHANGE
I, AMIT KUMAR S/O MANHOAR LAL residing at -16/388, BAPA NAGAR, NEAR PANI KI TANKI, KAROL BAGH DELHI-110005, Declare that my given name is AMIT and my sur-name is KUMAR

NAME CHANGE
I, Babita W/o Subhash Chandra Permanent Residence of Arsena, PO: Arsena, Dist. Gurga, Uttar Pradesh-282007 and Presently Residing at Kh No. 133 M New Halbatpur, Greater Noida- 201301, have changed the name of my minor Son Surya Yadav aged 12 years and he shall hereafter be known as Shaurya Yadav

NAME CHANGE
I, ADEITYA JAIN S/O LOKESH JAIN R/O 188 DOUBLE STORT FLATS KABOOL NAGAR SHAHDARA DELHI 110032 HAVE CHANGED MY NAME TO ADITYA JAIN

NAME CHANGE
I, NAZMA KHATOON W/O SHOKIN ALI R/O H NO-1301 STREET NO-43 JAFRABAD DELHI 110053 I HAVE CHANGED MY NAME TO NAJMA BEGUM

NAME CHANGE
I, SHAUKEEN A/ S/O ABDUL GHAFUR R/O H NO-1301 STREET NO-43 JAFRABAD DELHI 110053 I HAVE CHANGED MY NAME TO SHOKIN ALI

NAME CHANGE
I, SHIV KUMAR S/O BALAAKRAM R/o Manpur Viku, Post Beshw, Manpur Biku, Manipuri Uttar Pradesh-206301, have changed my name and he shall hereafter be known as SARVESH KUMAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I,hitherto known as Himanshu Kumar S/O Pramesh Kumar, R/O Plakhnli, Doodhli, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, 247772, have changed my name and shall hereafter be known as HEEMANSHU KUMAR.

जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा करूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध करूरता के कृत्य स्वतः समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध करूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई करूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर

डॉ.विवेक को मिला महात्मा गांधी गौरव सम्मान

जयपुर के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक शर्मा को जीवरान फाउंडेशन,प्रयागराज की ओर से डिस्टलेक्सिया से पीडित बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा के प्रयासों के लिए महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा (नई तालीम)को लागू करने पर राष्ट्रीय एवम अंतर्राष्ट्रीय समाचार पत्र एवम पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों के लिए महात्मा गांधी गौरव सम्मान से नवाजा गया है। डॉ. विवेक ऐसे बच्चों की शिक्षा पर भी काम कर रहे हैं, जिन्हें पढ़ने-लिखने में कठिनाई होती है। उनके प्रयासों का उद्देश्य ऐसे बच्चोंको महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा द्वारा बेहतर और सहयोगपूर्ण शिक्षा का अवसर देना है। फाउंडेशन ने डॉ विवेक के इन प्रयासों की सराहना की है

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटककर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बंधों अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषाकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान कृष्ण की मौत हो गई। पुलिस ने बचने के लिए तीनों ने मिलकर उसे फंदे पर लटक दिया।

ई-रिक्षा चोरी करने वाले गिरोह के चार आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। सिहानी गेट पुलिस ने ई-रिक्षा चोरी करने वाले गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार कर उनसे दो ई-रिक्षा, ई-रिक्षा की दो बैटरी और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ चोरी के कई मुकदमे पहले भी दर्ज हैं। कार्यवाहक एसीपी प्रियाश्री पाल ने बताया कि हाल ही में ई-रिक्षा चोरी की कई घटनाएं हुई थीं। इनके खुलासे के लिए पुलिस टीम लगातार काम कर रही थी। मुखबिर और मोबाइल सर्विलांस के जरिये पुलिस टीम को इनपुट मिला तो मेरठ रोड पर दंदिश देकर चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने ई-रिक्षा चोरी की बात कबूली। उनकी पहचान रिकू व दीपक निवासी नंदग्राम, आसिफ निवासी मलिकनगर मुरादनगर व अनस निवासी जसप्रीत कौतवाली के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि रिकू ई-रिक्षा चोरी करता था। दीपक उसका इस काम कर रही थी। मुखबिर और मोबाइल सर्विलांस के जरिये पुलिस टीम को इनपुट मिला तो मेरठ रोड पर दंदिश देकर चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में काम में सहयोग करता था और आसिफ ई-रिक्षों को स्कैप बनाने व अनस ई-रिक्षों को बैटरी को खरीदने में शामिल रहा। रिकू, दीपक और आसिफ पर ई-रिक्षा चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों की निशानदेही पर दो ई-रिक्षा, बैटरी, 42 हजार की नकदी बरामद की गई।

NAME CHANGE
I, ARJUN MAJUMDAR S/O M????? MAJUMDAR, R/O D-504, PARAMOUNT FLORAVILLE, OPPOSITE NOIDA SECTOR-137 METRO STATION, SECTOR-137, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201301, have changed the name of my minor son ARSH SINGH MAJUMDAR, aged 3 years and he shall hereafter be known as SHIVARTH SINGH MAJUMDAR.

NAME CHANGE
I, Manish Kumar Pandey S/O Ramjee Pandey R/O A-30, 2nd Floor, Park 5, Signature Global Park-4 And 5, Sector-36 Gurgaon Haryana 212102 I have changed my name to Manish Pandey for all intents and purposes.

NAME CHANGE
I,Satendra Kumar Malik S/O Rafal Singh R/O 919-D-5/2,Raj Nagar Colony, Loni Border, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as Jyoti Vihan.

NAME CHANGE
It is for information that I, Devendra Singh S/o Jasasudi R/o 50, Rauni Geraad Noida Industrial Development Authority, Gautam Buddha Nagar, District- Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203202 declare that name of my father has been wrongly written as Jasadi in some of my documents. The actual name of my father is Jasasudi respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I,JAIMITRI W/O SIVARAM R/O BARHAN ROAD SAYED WALI GALLI, SAWAIN ETMADPUR, AGRA, UTTAR PRADESH-283202, have changed my name and she shall hereafter be known as JAIMANTRI DEVI.

भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक करूरता को दर्शाते हैं।



विशेषज्ञ डॉ. विवेक शर्मा को जीवरान फाउंडेशन,प्रयागराज की ओर से डिस्टलेक्सिया से पीडित बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा के प्रयासों के लिए महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा (नई तालीम)को लागू करने पर राष्ट्रीय एवम अंतर्राष्ट्रीय समाचार पत्र एवम पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखों के लिए महात्मा गांधी गौरव सम्मान से नवाजा गया है। डॉ. विवेक ऐसे बच्चों की शिक्षा पर भी काम कर रहे हैं, जिन्हें पढ़ने-लिखने में कठिनाई होती है। उनके प्रयासों का उद्देश्य ऐसे बच्चोंको महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा द्वारा बेहतर और सहयोगपूर्ण शिक्षा का अवसर देना है। फाउंडेशन ने डॉ विवेक के इन प्रयासों की सराहना की है

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटककर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बंधों अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषाकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान कृष्ण की मौत हो गई। पुलिस ने बचने के लिए तीनों ने मिलकर उसे फंदे पर लटक दिया।

ई-रिक्षा चोरी करने वाले गिरोह के चार आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। सिहानी गेट पुलिस ने ई-रिक्षा चोरी करने वाले गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार कर उनसे दो ई-रिक्षा, ई-रिक्षा की दो बैटरी और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ चोरी के कई मुकदमे पहले भी दर्ज हैं। कार्यवाहक एसीपी प्रियाश्री पाल ने बताया कि हाल ही में ई-रिक्षा चोरी की कई घटनाएं हुई थीं। इनके खुलासे के लिए पुलिस टीम लगातार काम कर रही थी। मुखबिर और मोबाइल सर्विलांस के जरिये पुलिस टीम को इनपुट मिला तो मेरठ रोड पर दंदिश देकर चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने ई-रिक्षा चोरी की बात कबूली। उनकी पहचान रिकू व दीपक निवासी नंदग्राम, आसिफ निवासी मलिकनगर मुरादनगर व अनस निवासी जसप्रीत कौतवाली के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि रिकू ई-रिक्षा चोरी करता था। दीपक उसका इस काम कर रही थी। मुखबिर और मोबाइल सर्विलांस के जरिये पुलिस टीम को इनपुट मिला तो मेरठ रोड पर दंदिश देकर चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में काम में सहयोग करता था और आसिफ ई-रिक्षों को स्कैप बनाने व अनस ई-रिक्षों को बैटरी को खरीदने में शामिल रहा। रिकू, दीपक और आसिफ पर ई-रिक्षा चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों की निशानदेही पर दो ई-रिक्षा, बैटरी, 42 हजार की नकदी बरामद की गई।

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. PREM SINGH IS OWNER AND IN POSSESSION OF "PORTION OF PROPERTY BEARING NOS. 272 & 273, ADMEASURING 30 SQ. YARDS OUT OF TOTAL LAND AREA MEASURING 60 SQ. YARDS OUT OF KHASRA NOS. 5/25 & 14/4 SITUATED IN THE REVENUE ESTATE OF VILLAGE RAZAPUR KHURD AND THE COLONY KNOWN AS RAKSHA ENCLAVE, MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059." AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE NOTARIZED GPA, NOTARIZED AT & WILL DT. 25.08.2020 EXECUTED BY MR. DIWAN SINGH. NOW MRS. MEENAKSHI GUPTA IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. PREM SINGH, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1st & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032. MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक,
गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रतिष्ठे प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया टोनािका सिटी लोनी (गाजियाबाद) .
उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Badliunshah, Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.guampatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

श्रीमद् भागवत कथा आत्मा के परम कल्याण और जीवन को सही दिशा देने की पवित्र यात्रा : नायब सिंह सैनी

‘भगवान श्रीकृष्ण के मुख से निकले गीता के अमर संदेश को मानवमात्र तक पहुंचाने के लिए हर वर्ष कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जाता है। ’

एजेंसी चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा आत्मा को जागृत करने, जीवन को सही मार्ग दिखाने तथा समाज में सद्भाव और धर्म की स्थापना का माध्यम है। श्रीमद् भागवत महापुराण को भारतीय संस्कृति का हृदय कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। भगवान श्रीकृष्ण

की लीलाओं के माध्यम से इसमें जीवन के गूढ़ सत्य, कर्म, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी



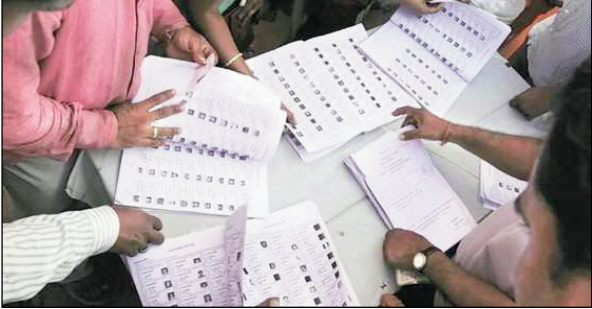
पंजाब के पंजोला (पटियाला) में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कथा

वाचक सीतापाल शास्त्री जी, संत-महात्मागण और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा आत्मा के परम कल्याण की तट पर महाराज परीक्षित को यह कथा सुनाई थी। महाराज परीक्षित को सात दिनों के भीतर तक्षक नाग के डसने का शाप प्राप्त था, लेकिन उन्होंने मृत्यु के भय से परे होकर इन सात दिनों में भागवत का अमृतस पान किया। इसी कारण भारतीय संस्कृति में भागवत कथा प्रायः सात दिनों के अनुष्ठान के रूप में आयोजित की जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मानव के भौतिक और आध्यात्मिक जीवन के बीच संतुलन बनाने का काम करती है तथा युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और नैतिक मूल्यों से जोड़ती है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराई से स्वयं भी दूर रहें और

अपने साथियों को भी इससे बचाएं। नशा व्यक्ति के शरीर और मन के साथ-साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। युवाओं को अपनी ऊर्जा नशे में नष्ट करने के बजाय शिक्षा, खेलकूद, कौशल विकास, समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण जैसे श्रेष्ठ कार्यों में लगानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार संतों, महापुरुषों और हमारी सनातन संस्कृति के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में ‘संत-महापुरुष विचार प्रसार एवं सम्मान योजना’ चलाई जा रही है, जिसके तहत महान संतों, ऋषियों और महापुरुषों की जयंतियां राज्य स्तर पर श्रद्धा के साथ मनाई जाती हैं।

हरियाणा में एसआईआर के तहत 3.77 लाख नए वोटर आवेदन 6 नवंबर को आएगी अंतिम मतदाता सूची

एजेंसी चंडीगढ़। हरियाणा की अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया के तहत नए वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए 3,77,987 आवेदन मिले हैं। एसआईआर ड्राफ्ट रोल पर दावे और आपत्तियां दाखिल करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर थी। इनका निपटारा 28 अक्टूबर तक होगा और अंतिम मतदाता सूची 6 नवंबर को जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि फॉर्म-6 के तहत 377987 प्रपत्रों में सबसे ज्यादा आवेदन गुरुग्राम जिले से 39985, फरीदाबाद से 33463, हिसार से 22001 नए वोटरों के आवेदन प्राप्त हुए। वहीं सबसे कम चरखी दादरी जिले से 7095, पंचकूला से 8786, नूह से 9087 फॉर्म 6 के प्रपत्र दाखिल



सिरसा से 2539 ने नाम हटाने के लिए आवेदन किया है। जबकि फॉर्म 8 के तहत 214693 प्रपत्र दाखिल किए गए हैं। इसका इस्तेमाल मतदाता सूची में जानकारी सुधारने, पता बदलने और वोटर पहचान पत्र बदलने के लिए होता है। कुरुक्षेत्र जिले में फॉर्म-8 के सबसे ज्यादा 14347 आवेदन आए। इसके बाद गुरुग्राम जिले में 13767 और जींद जिले में 13513 आवेदन दर्ज किए गए। वहीं, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मैपिंग में गलत जानकारी देने पर 44,91,691 नोटिस जारी किए गए थे। जिनमें से 40,56,716 की सुनवाई हो चुकी है। अभी भी

4,34,975 सुनवाई होना बाकी है। सबसे ज्यादा पेंडेंसी फरीदाबाद, करनाल और हिसार जिले की है।

उन्होंने सभी ईआरओ को सख्त निर्देश दिए हैं कि समय रहते सभी पेंडिंग सुनवाई का निस्तारण किया जाए और कोई भी आदेश पारित करते समय भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह और कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से अपील की है कि नोटिस मिलने पर घबराने की आवश्यकता नहीं है। जिस भी मतदाता को नोटिस मिला हुआ है वह संबंधित ईआरओ के पास जाकर सही दस्तावेजों के साथ जवाब प्रस्तुत करें और विसंगति को दूर करवाएं।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर का आह्वान : रक्तदान कर बचाएं अनमोल जीवन

- **सेवा संकल्प अभियान के तहत रैखिच्छ रक्तदान के प्रति लोगों को किया जा रहा जागरूक**
- **रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं, रैखिच्छ रक्तदाता ही जरूरतमंदों के लिए जीवनरक्षक**

एजेंसी पलवल। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत पलवल के उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने जिलेवासियों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने तथा रक्तदान का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का श्रेष्ठ कार्य है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन, नई आशा और अपने परिवार के साथ मुस्कुराने का अवसर प्रदान कर सकता है।

उपायुक्त ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है। आवश्यकता पड़ने पर केवल स्वैच्छिक रक्तदाता ही मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सड़क दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों,

ऑपरेशन, प्रसव तथा थैलेसीमिया जैसी परिस्थितियों में मरीजों को समय-समय पर रक्त की आवश्यकता होती है। ऐसे में स्वस्थ नागरिकों को आगे बढ़कर स्वैच्छिक रक्तदान करना चाहिए।

अध्यक्ष डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने और अधिक से अधिक नागरिकों को इस पुनीत कार्य से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा शिक्षण संस्थानों से रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने और रक्तदान शिविरों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि रक्तदान केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवता के प्रति संवेदनशीलता और पोषकार की भावना का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि नियमित स्वैच्छिक रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। उन्होंने रक्तदाताओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदाता समाज के सच्चे सेवक हैं और उनका योगदान अमूल्य है।

उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर के निर्देशानुसार गांव-गांव पहुंचकर किसानों को किया जा रहा जागरूक **एजेंसी पलवल।** उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर के निर्देशानुसार जिला कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा किसानों एवं आमजन को फसल अवशेष न जलाने के संबंध में लगातार जागरूक किया जा रहा है। धान एवं अन्य फसलों की कटाई के महेंजर विभाग द्वारा गांव-गांव जाकर किसानों को फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विभाग की ओर से गांवों में मुनादी के माध्यम से किसानों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले पर्यावरणीय, स्वास्थ्य एवं भूमि की उर्वरता संबंधी नुकसान के बारे में जानकारी दी जा रही है। किसानों को बताया जा रहा है कि पराली जलाने से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण बढ़ाने के साथ-साथ मानव एवं पशु स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। किसानों को फसल अवशेषों को खेत में न जलाने तथा उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से उनका उचित प्रबंधन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साथ ही, कंबाइन हार्वेस्टर ऑपरेटरों एवं फसल कटाई से जुड़े अन्य लोगों को भी प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों की पालना करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्धजनों को स्वस्थ जीवनशैली व योग अपनाने के लिए किया जागरूक

पलवल। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष्य में आज जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय पलवल में उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वृद्धजनों को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें नियमित रूप से योग एवं व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए जानकारी दी गई। इस अवसर पर वृद्धजनों को बताया गया कि बढ़ती उम्र में शारीरिक गतिविधियों के साथ-साथ मानसिक रूप से सक्रिय रहना भी आवश्यक है। नियमित योग, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद तथा सकारात्मक सोच से जीवन को स्वस्थ एवं सुखद बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में वृद्धजनों को योग के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए अपनी दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर जीवन को बेहतर बनाने के विभिन्न उपायों के बारे में भी जागरूक किया गया।

मेगा हेल्थ चेकअप कैम्प का 361 नागरिकों ने उठाया लाभ

सिरसा। सेवा संकल्प अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौटाला में विशाल मेगा हेल्थ चेकअप एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं देते हुए आमजन की जांच की और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया। शिविर में सिविल सर्जन डॉ. पवन कुमार तथा उप सिविल सर्जन डॉ. राजेश चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय गिरी तथा डॉ. अश्विनी भी मौजूद रहे। शिविर में कुल 361 नागरिकों की जांच की गई। शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरव अरोड़ा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शैली, छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. आकाशदीप बंसल, फिजिशियन डॉ. गगनदीप, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शिषा सूरी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव छाबड़ा, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. विनोद जांगड़ा, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. नीलम, नशा मुक्ति विभाग से डॉ. हरसिमरन सिंह, काउंसलर सीताराम, डाटा मैनेजर सन्नी, नेत्र रोग विभाग से राहुल शर्मा तथा टीबी रोग विभाग की एक्स-रे एनजीओ टीम सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौटाला के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने सेवाएं दीं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 100 यूनिट रक्तदान

सिरसा। सेवा संकल्प अभियान के तहत राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर जिला रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा पब्लिक रिलेशन हेल्प फाउंडेशन, चौटाला के सहयोग से डेरा बाबा भोलागिरी जी महाराज, गांव चौटाला में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए करीब 100 यूनिट रक्तदान किया। जिला रेडक्रॉस सोसाइटी से गुरपीत सैनी ने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जनजागरूकता एवं जनसेवा गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में रानियां क्षेत्र के गांव करीवाला तथा ऐलनाबाद क्षेत्र के गांव पोहडाल में सूचना स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों, रक्तदान के महत्व तथा रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा संचालित जनसेवा गतिविधियों एवं उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी गई।



हरियाणा राज्य महिला आयोग महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए पूरी तरह कृतसंकल्प : सुनीता लोचब

हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता लोचब ने किया पलवल का दौरा

एजेंसी पलवल। हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता लोचब ने पलवल जिला का आधिकारिक दौरा किया। उन्होंने इस दौरान विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण कर वहां महिलाओं से संबंधित व्यवस्थाओं, सुविधाओं एवं कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य महिला आयोग महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए पूरी तरह कृतसंकल्प है। सदस्य सुनीता लोचब ने अपने

दौरे की शुरुआत पलवल स्थित सरस्वती महिला महाविद्यालय से की। यहां उन्होंने संस्थान का निरीक्षण किया तथा छात्राओं को



उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं संस्थान प्रबंधन से विभिन्न व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने छात्राओं से बातचीत करते

हुए उनकी समस्याएं भी सुनी और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने इसके उपरंत महिला थाना पलवल का

निरीक्षण किया। उन्होंने महिला थाना में महिलाओं से संबंधित मामलों की कार्यवाही, शिकायतों के निस्तारण तथा महिला सुरक्षा से जुड़े प्रबंधों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को महिलाओं की शिकायतों पर संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य करने

के निर्देश दिए। हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य ने महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से संचालित वन स्टॉप सेंटर पलवल का निरीक्षण किया। उन्होंने सेंटर में महिलाओं को उपलब्ध करवाई जा रही सहायता एवं सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सेंटर की कार्यप्रणाली तथा महिलाओं को प्रदान की जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने नागरिक अस्पताल का भी निरीक्षण किया और मरीजों से बातचीत करते हुए अस्पताल में मिल रही सुविधाओं बारे जानकारी प्राप्त की। और उनकी समस्याएं भी सुनी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए सभी संबंधित विभागों द्वारा प्रभावी एवं संवेदनशील तरीके से कार्य किया जाना आवश्यक है।

हरियाणा में सतीश पूनिया और सुरेंद्र नागर के विदाई समारोह में नेताओं ने उनके योगदान को सराहा

पंचकूला में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

एजेंसी पंचकूला । हरियाणा भाजपा के निवर्तमान प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पुनिया, पूर्व सह-प्रभारी सुरेंद्र नागर और पूर्व संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा ने अपने कार्यकाल के समापन के बाद पद छोड़ दिया है। इसी उपलक्ष्य में पंचकूला में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस समारोह में सतीश पुनिया, सुरेंद्र नागर और फणींद्रनाथ शर्मा को पार्टी में उनके योगदान के लिए सम्मानित कर विदाई दी गई। वहीं, हरियाणा भाजपा में नए संगठन महामंत्री के रूप में कार्यभार संभालने वाले पवन राणा का कार्यकर्ताओं ने

उसका नतीजा क्या निकला? सीएम नायब सैनी के नेतृत्व में तीसरी बार स्पष्ट बहुमत की



बातचीत में तीनों नेताओं के कार्यकाल की सराहना की। उन्होंने कहा, ‘सतीश पुनिया, सुरेंद्र नागर और फणींद्रनाथ शर्मा ने बहुत मेहनत की। जमीन पर जाकर काम किया, संगठन को खड़ा किया और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया। और

सरकार बनी। ‘ महिपाल ढांडा ने कहा कि आज इन नेताओं की विदाई हो रही है लेकिन पार्टी में इनका कद और बड़ा हुआ है। उन्होंने विशेष रूप से सतीश पुनिया को पंजाब की नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा, ‘उनको पंजाब की

जिम्मेदारी मिली है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनका जो राजनीतिक कौशल है, जिसमें वो बहुत कुशल हैं, उसका लाभ पंजाब की भारतीय जनता पार्टी को जरूर मिलेगा। ‘ ढांडा ने कहा कि पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी की सरकार से दुखी, त्रस्त और पीड़ित है। कांग्रेस ने भी उनके साथ छल किया है और उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। जनता अब इन दोनों दलों पर विश्वास नहीं करती। पंजाब की जनता पड़ोसी राज्यों को देख रही है। वह देख रही है कि जहां-जहां भाजपा की सरकार है, वहां समृद्धि है, खुशहाली है और शांति है। पंजाब में कदम-कदम पर चुनौतियां और कठिनाइयां हैं और लोग निराश हैं।

एजेंसी पलवल। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने होडल अनाज मंडी का दौरा कर फसल खरीद प्रक्रिया हेतु किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं और सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि अनाज मंडी में

किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर एसडीएम बलीना, मार्केट कमेटी होडल के चेयरमैन जगविंद सिंह, सचिव जीत सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने स्वयं कम्प्यूटर सिस्टम पर बैठकर गेट पास एवं टोकन प्रणाली का

अवलोकन किया और खरीद प्रक्रिया से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन फसल खरीद सीजन के दौरान किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मार्केट कमेटी सचिव को निर्देश दिए कि फसल खरीद प्रक्रिया से

संबंधित सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं, ताकि किसानों और आढ़तियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने अनाज मंडी में साफ-सफाई की व्यवस्था को बेहतर रखने के निर्देश दिए। साथ ही नगर पालिका होडल के अधिकारियों को अनाज मंडी के रास्ते में किए गए

अतिक्रमण को हटवाने के निर्देश दिए, ताकि किसानों की फसलों से भरी गाड़ियां सुगमता से मंडी में प्रवेश कर सकें और किसानों को आवागमन में किसी प्रकार की कोई बाधा न आए। उन्होंने किसानों से भी फसल को अच्छी तरह सुखाकर मंडी में लाने का आह्वान किया।

आरबीआई के नियमों से भारतीय बैंकों को हुआ 4,000 करोड़ की विदेशी मुद्रा का नुकसान

नई दिल्ली।

भारतीय बैंकों को 2026 की पहली छमाही में विदेशी मुद्रा ट्रेडिंग बुक पर करीब 50 करोड़ डॉलर का मार्क-टू-मार्केट नुकसान उठाना पड़ा। एक रिसर्च के मुताबिक यह नुकसान भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से किए गए नियामकीय बदलावों के बाद बैंकों को अपनी विदेशी मुद्रा पोजीशन घटाने के लिए मजबूर होने के कारण हुआ। बाद में बाजार में स्प्रेड बढ़ने और पोजीशन सामान्य होने से बैंकों ने इस नुकसान में से करीब 40 करोड़ डॉलर की भरपाई कर ली है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह नुकसान आरबीआई के 27 मार्च के निर्देश के बाद हुआ, जिसके तहत अधिकृत डीलर बैंकों के लिए कारोबारी दिन के अंत में ऑनशोर रुपये से जुड़ी नेट ओपन पोजीशन की सीमा 10 करोड़ डॉलर तय कर दी गई थी। बैंकों को 10 अप्रैल तक अपनी पोजीशन घटानी पड़ी, जिसके चलते उनकी ट्रेडिंग बुक में तेज बदलाव देखने को मिला। यह कदम ऐसे समय उठाया गया, जब रुपए में काफी उतार-चढ़ाव था। विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकाल रहे थे और कंपनियों की ओर से मुद्रा जोखिम से बचाव की मांग अधिक थी। मार्कोट स्ट्रक्चर एंड टेक्नोलॉजी के उपाध्यक्ष नितिन अग्निवा ने कहा कि आरबीआई के नए नियमों को लागू करने के लिए मिला कम समय बैंकों को तेजी से अपनी पोजीशन घटाने या उनमें बदलाव करने के लिए मजबूर करने वाला था। बाद में बाजार में स्प्रेड बढ़ने से बैंकों को शुरुआती नुकसान की कुछ भरपाई करने में मदद मिली। आरबीआई ने 20 अप्रैल को अपने कुछ पुराने निर्देश वापस ले लिए और संबंधित पक्षों के बीच होने वाले लेनदेन के लिए सीमित छूट की अनुमति दी, जिससे बैंकों पर पड़ रहा कुछ परिचालन दबाव कम हुआ। कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक कंपटीटर रिसर्च एंड एनालिटिक्स के निदेशक ने कहा कि विदेशी मुद्रा कारोबार में हुआ नुकसान सिर्फ ग्राहकों की कमजोर गतिविधियों का नतीजा नहीं था, बल्कि आरबीआई के निर्देशों के कारण ट्रेडिंग रणनीति में आए अचानक बदलाव का परिणाम था।

एक्स-मिल कीमतों में करीब 28 फीसदी की आई कमी, घट सकते हैं चीनी के दाम

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को राहत मिली है। देश के खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमतों में अगस्त के उच्चतम स्तर की तुलना में करीब 15 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, एक्स-मिल कीमतों में करीब 28 फीसदी की कमी आई है। सरकार को उम्मीद है कि एक्स-मिल कीमतों में आई गिरावट का असर खुदरा बाजार में भी दिखाई देगा और चीनी के दाम और कम हो सकते हैं। चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए सरकार ने डीलरों के लिए नई स्टॉक सीमा लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत डीलर चीनी मिलने की तारीख से अधिकतम 15 दिन तक ही उसका स्टॉक रख सकेंगे। इसके अलावा किसी भी स्थान पर एक समय में 1,000 क्विंटल से ज्यादा चीनी रखने की अनुमति नहीं होगी। यह व्यवस्था 15 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक रहेगी। हालांकि, कोलकाता और आसपास के महानगरीय क्षेत्रों और अरुम के लिए अलग व्यवस्था की गई है। इन क्षेत्रों में स्टॉक सीमा 2,000 क्विंटल रखी गई है। इसकी वजह वहां चीनी की आपूर्ति से जुड़ी भौगोलिक और परिवहन संबंधी चुनौतियां हैं। इन क्षेत्रों में चीनी की मांग पूरी करने के लिए यूपी, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों से आपूर्ति की जाती है।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ गयी हैं। इस बार 19 किलो वाले व्यवसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि घरेलू सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। 14.2 किलो के घरेलू गैस सिलेंडर के दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले व्यावसायिक उपयोग वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 62.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब दिल्ली में यह सिलेंडर 2,810 रुपये में मिलेगा, जबकि इससे पहले सितंबर माह में इसकी कीमत 2,747.50 रुपये थी। देश के अन्य प्रमुख महानगरों में भी ये सिलेंडर महंगा हुआ है। मुंबई में 19 किलो वाला सिलेंडर अब 2,764.50 रुपये, कोलकाता में 2,954 रुपये और चेन्नई में 2,983 रुपये का हो गया है। इसी प्रकार, बेंगलूरु में इसकी कीमत 2,898 रुपये, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 2,932.50 रुपये और बिहार की राजधानी पटना में 3,100.50 रुपये तक पहुंच गई है।

जस्टरुत से ज्यादा खर्च करके फंस सकते हैं कर्ज में,50-30-20 का नियम अपनाएं

गद्दीने के खर्च का औसत निकालकर हर कैटेगरी के लिए एक आसान बजट बनाएं

नई दिल्ली।

बजट के बिना वित्तीय स्थिति को संभालना मुश्किल होता है और व्यक्ति जरूरत से ज्यादा खर्च करके कर्ज में फंस सकता है। बजट बनाने के लिए सबसे पहले अपने सभी खर्चों को समझना जरूरी है। इन्हें आमतौर पर किराया, बिल, बीमा, कर्ज की किस्त और बदलने वाले जैसे किराना, यात्रा, मनोरंजन खर्चों में बांटा जाता है। कुछ खर्च ऐसे भी

होते हैं जो हर महीने नहीं आते, लेकिन अचानक बड़ी रकम खर्च हो सकती है, जैसे घर की मरम्मत या कोई बड़ी खरीदारी। इन सभी खर्चों को एक जगह लिखने के लिए बजट ट्रैकर बनाना चाहिए।

सबसे पहले अपनी कुल आय निकालें और उसमें से टैक्स काटकर पता करें कि हर महीने आपके पास कितनी रकम बचती है। फिर अपने सभी तय खर्चों को लिखें और उनका योग करें। इसके बाद बदलने वाले और कभी-कभी होने वाले खर्चों पर ध्यान दें, पिछले कुछ महीनों के खर्चों का

जिसकी वजह से निफटी आईटी इंडेक्स एक साल के हाई लेवल से करीब 30 फीसदी नीचे ट्रेड कर रहा है। हालांकि अमेरिकी आईटी कंपनी एक्सैचर के नतीजों के बाद सेक्टर के लिए अच्छे संकेत नजर आ रहे हैं, जिसने वित्त वर्ष 2027 के लिए 3 से 6 फीसदी रेवेन्यू ग्रोथ ग्राहडेंस दिया है। सितंबर तिमाही में

वैश्विक संकट गहराने के साथ ही वैश्विक ऊर्जा सब्सिडी 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है-यूएन रिपोर्ट

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, बढ़ती तेल कीमतों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच दुनिया भर की सरकारों के लिए उपभोक्ताओं को राहत देना लगातार कठिन होता जा रहा है। शुक्रवार को जारी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में वैश्विक ऊर्जा सब्सिडी 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि के असर को कम करने के लिए सरकारएं बड़े पैमाने पर सब्सिडी, मूल्य नियंत्रण (प्राइस कैप) और कर रियायतों जैसे उपायों का सहारा ले रही हैं। हालांकि बढ़ती ब्याज दरों, महंगे

कर्ज और मौसम संबंधी जोखिमों के कारण इन उपायों को लंबे समय तक जारी रखना और

मुश्किल होता जा रहा है। यूएनडीपी ने चेतावनी दी है कि आने वाले कुछ महीने उन देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे जो ईंधन

सब्सिडी और अन्य राहत उपायों के जरिए महंगाई से निपटने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों

100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचने से कई देशों की

सार्वजनिक वित्त व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है।

यूएनडीपी के मुख्य अर्थशास्त्री जॉर्ज ग्रे मोलिना ने कहा कि अगले कुछ सप्ताह और महीने अनिश्चितता से भरे रह सकते हैं, क्योंकि दुनिया एक साथ कई संकटों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि

नकली दवाओं पर रोक लागाने बंद औषधि इकाइयों की मशीनरी नष्ट करने पर हुआ विचार

नहिलाओ की नौत के बाद डीसीसी बैठक में राजस्थान औषधि नियंत्रण ने यह मुद्दा उठाया था

नई दिल्ली।

भारत की मुख्य औषधि नियंत्रक संस्था केंद्रीय औषधि मानक नियामक संगठन (सीडीएससीओ) नियमों का पालन नहीं करने वाली या बंद हो चुकी औषधि इकाइयों की मशीनरी को सही तरीके से नष्ट करने के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। इससे नकली या प्रतिबंधित दवाएं बनाना रोका जा सकेगा। दरअसल, केंद्रीय औषधि नियामक को सलाह देने वाली औषधि परामर्श समिति (डीसीसी) की 18 सितंबर को हुई बैठक में राजस्थान औषधि नियंत्रण विभाग ने यह मुद्दा उठाया था।

डीसीसी ने इस प्रस्ताव पर चर्चा की। उसने यह राय व्यक्त की कि यदि कोई नियामकीय व्यवस्था बना दी जाए तब भी इसका कार्यान्वयन खराब नजर आता है। कार्यवाही के विवरण के मुताबिक ‘समिति ने माना कि असरदार प्रणाली में औषधि मशीनरी की पूरी आपूर्ति श्रृंखला शामिल होनी चाहिए न कि सिर्फ बंद कारखानों की मशीनरी को नष्ट करना। इसके बाद डीसीसी ने राजस्थान के औषधि नियंत्रक से औषधि मशीनरी की पहचान, निर्माण या आपूर्ति, मालिकाना हक, स्थानांतरण, काम बंद करने और निपटान को शामिल करने वाला विस्तृत प्रस्ताव जमा करने को कहा है। प्रस्ताव में नई निगरानी प्रणालियां, संसाधनों पर असर और निपटान के बाद बेकार पड़ी मशीनरी की निगरानी जैसे अन्य पहलू भी शामिल होने चाहिए। फिर भविष्य में होने वाली की चर्चा के लिए डीसीसी के सामने रखा जा सकता है।

टैरिफ के कारण लौट रही मैनुफैक्चरिंग,बन रही नई फैक्ट्रियां और बढ़ रहे रोजगार-ट्रंप

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टैरिफ नीतियों को अमेरिका में मैनुफैक्चरिंग की नौकरियां और फैक्ट्रियां वापस लाने का श्रेय दे दिया है। उनका कहना है कि विदेशी कंपनियों से मिलने वाली प्रतिस्पर्धा से अमेरिकी उद्योगों को सुरक्षा देने की वजह से देश में मैनुफैक्चरिंग फिर से तेज गति पकड़ी है। ट्रंप ने ट्रक निर्माता कंपनी के बढ़ते कारोबार का उदाहरण देकर कहा कि यह दिखाता है कि उनकी व्यापार नीतियां काम कर रही हैं। ट्रंप ने

कहा, हमारे यहां पहले से ज्यादा

अच्छा कर रहे हैं और ये कंपनियां भी अच्छा कर रही हैं। पूरे देश में

फैक्ट्रियां और प्लांट बन रहे हैं। मैनुफैक्चरिंग वापस आ रही है। ट्रंप

ने कहा कि टैरिफ की वजह से विदेशी कंपनियों के लिए अमेरिका में सामान बेचकर पैसा कमाना और अमेरिकी कर्मचारियों की नौकरियां छीनना मुश्किल हुआ है। उन्होंने कहा कि वे अपना सामान यहां बेचते थे, पैसा लेकर चले जाते थे और आपके पास नौकरियां नहीं बचती थीं। लेकिन मेरे साथ ऐसा नहीं है। हमारी सरकार ने इस

औसत निकालकर हर कैटेगरी के लिए एक आसान बजट तय कर। साथ ही अचानक होने वाले खर्चों के लिए थोड़ी रकम अलग रखें। अंत में सभी खर्चों को जोड़कर देखें कि आपकी नेट इनकम में से कितनी रकम खर्च हो रही है। यदि खर्च आय से ज्यादा हैं, तो गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करें। अच्छी वित्तीय योजना के लिए वित्तीय विशेषज्ञ ‘50-30-20 नियम’ का सुझाव देते हैं। इसके तहत शुद्ध आय का 50 फीसदी हिस्सा जरूरी या तय खर्चों जैसे- बिल, किराया, ईएमआई के लिए, किराया, ईएमआई के लिए,

घरेलू आईटी कंपनियों की कमाई पर ग्लोबल लेवल पर कस्टमर्स का सतर्क रहूँ और धीमी टेक्नोलॉजी खर्च का असर देखने को मिल सकता है। एआई से बदलते आईटी बिजनेस का भी प्रभाव रहेगा, जहां एआई पुराने सर्विस मॉडल के लिए चुनौती बना हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक टियर-1

शेयर बाजार कम रकम से अमीर बनने का मौका,इसमें सावधानी बरतना जरूरी



वर्तमान स्थिति से बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता फिलहाल दिखाई नहीं दे रहा है। विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुमानित 13 करोड़ लोगों को प्रतिदिन 6.85 डॉलर की गरीबी रेखा से नीचे जाने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लगभग दोगुनी हो गई। इससे यह

साफ संकेत मिलता है कि ऊर्जा और खाद्य कीमतों में वृद्धि का

असर अधिक व्यापक होता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी

सहायता कार्यक्रमों ने इस वर्ष अनुमानित 13 करोड़ लोगों को

प्रतिदिन 6.85 डॉलर की गरीबी रेखा से नीचे जाने से बचाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नई दिल्ली।

शेयर बाजार हर किसी को कम रकम से निवेश शुरू करने और संपत्ति बनाने का मौका देता है। ट्रेडिंग के जरिए पैसा कमाने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। शुरुआत करने वाले निवेशक के लिए सबसे पहला कदम उन शब्दों और अवधारणाओं को समझना होना चाहिए, जिन्हें उसे निवेश के लंबे सफर में अक्सर सुनना पड़ेगा। बुनियादी शब्दों की जानकारी होने से शुरुआती निवेशकों को जोखिम समझने, निवेश के मौकों का आकलन करने और गलतियों से बचने में मदद मिलती है। यहां कुछ ऐसे ही अहम शब्द दिए गए हैं- आर्बिट्रज ऐसी रणनीति है, जिसमें निवेशक एक ही संपत्ति को अलग-अलग बाजारों में एक ही समय पर

खरीदकर और बेचकर कीमत के अंतर से मुनाफा कमाता है।

बियर मार्केट वह स्थिति है जब शेयरों की कीमतें लंबे समय तक तेज गिरावट का सामना करती हैं और निवेशकों का भरोसा कम होता है। इसके विपरीत, बुल मार्केट वह दौर है, जब शेयरों की कीमतें लगातार बढ़ रही होती हैं और निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है। बॉन्ड एक निश्चित आय वाला निवेश विकल्प है, जिसमें आप सरकार या किसी कंपनी को पैसा उधार देते हैं और बदले में नियमित अंतराल पर ब्याज मिलता है। शेयर किसी कंपनी में स्वामित्व को दर्शाता है, जिससे निवेशक को डिविडेंड और शेयरों की कीमत बढ़ने से होने वाले मुनाफे का फायदा मिल सकता है।

आईपीओ वह प्रक्रिया है, जिसके जरिए कोई कंपनी पहली

अमेरिका में 60,000 नई मैनुफैक्चरिंग नौकरियां जुड़ी हैं। भारी ट्रकों का उत्पादन भी करीब 31 प्रतिशत बढ़ा है। ट्रंप ने कहा कि भारी ट्रकों की सलाई उनके प्रशासन के दौरान अमेरिकी इतिहास के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है।

बिहार के मखाना को मिला अंतरराष्ट्रीय बाजार

ग्रीस के लिए 1 मीट्रिक टन खेप रवाना

नई दिल्ली ।

एपीडा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की सहायता से बिहार के पूर्णिया से 1 मीट्रिक टन (एमटी) पोंड मखाना की खेप ग्रीस के लिए रवाना हुई है।

केंद्र सरकार ने बताया कि यह कदम बिहार के मखाना उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने और उनके लिए बेहतर आय के मौके पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, यह खेप इंडो ग्लोबल एक्सपोर्ट, बेलौरी (पूर्णिया) द्वारा सोलित की गई है और इसका निर्यात एस.एस. फुड्स एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से हो रहा है। यह खेप मुद्रा बंदराह से ग्रीस के पिराएस पोर्ट तक भेजी जाएगी।

केंद्र सरकार ने बताया कि इस निर्यात से मखाना उत्पादकों को घरेलू बाजार की तुलना में बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ है। इससे संकेत मिलता है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार बिहार के मखाना उत्पादकों के लिए अतिरिक्त आय और मूल्यवर्धन के महत्वपूर्ण मौके

तेल की कीमतों में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली।

तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश के प्रमुख महानगरों में पेट्रोल के दाम कुछ इस प्रकार हैं। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 102.12 से 102.15 रुपये के बीच बनी हुई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 103.50 से 103.54 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। पूर्वी महानगर कोलकाता में इसकी कीमत 113.46 से 113.51 रुपये प्रति लीटर दर्ज की गई है, जबकि दक्षिण के प्रमुख शहर चेन्नई में पेट्रोल 107.73 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि स्थानीय करें, वैट और परिवहन लागत के कारण अलग-अलग शहरों में और यहां तक कि एक ही शहर के विभिन्न हिस्सों में भी कीमतों में मामूली अंतर दिख सकता है। पेट्रोल की तरह ही डीजल के दामों में भी स्थिरता देखी जा रही है, जो कि उपभोक्ताओं के लिए एक अच्छी खबर है। शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में डीजल का दाम लगभग 95.20 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में ग्राहकों को एक लीटर डीजल के लिए 97.83 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं। कोलकाता में डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है, वहीं चेन्नई में इसकी कीमत 99.55 से 99.66 रुपये प्रति लीटर के आसपास बनी हुई है। यह स्थिरता ऐसे समय में आई है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव और कई बार तेजी देखने को मिल रही है।खास बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद, भारतीय घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दामों में मई 2026 के बाद से कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है।

शेयर बाजार कम रकम से अमीर बनने का मौका,इसमें सावधानी बरतना जरूरी

-निवेशक के लिए सबसे पहला कदम शब्दों और अवधारणाओं को समझना होगा



बार अपने शेयर आम लोगों के लिए जारी करती है। लिक्विडिटी यह बताती है कि किसी एसेट को निवेश किया जाता है, जिसे पेशेवर फंड मैनेजर संभालते हैं। प्राइस-टू-अर्निंग रेश्यो किसी कंपनी के शेयर की कीमत की तुलना उसके प्रति शेयर मुनाफे से करता है, जिससे यह समझने में मदद मिलती है कि शेयर का मूल्यांकन ज्यादा है या कम।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ गयी हैं। इस बार 19 किलो वाले व्यवसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि घरेलू सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। 14.2 किलो के घरेलू गैस सिलेंडर के दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले व्यावसायिक उपयोग वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 62.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब दिल्ली में यह सिलेंडर 2,810 रुपये में मिलेगा, जबकि इससे पहले सितंबर माह में इसकी कीमत 2,747.50 रुपये थी। देश के अन्य प्रमुख महानगरों में भी ये सिलेंडर महंगा हुआ है। मुंबई में 19 किलो वाला सिलेंडर अब 2,764.50 रुपये, कोलकाता में 2,954 रुपये और चेन्नई में 2,983 रुपये का हो गया है। इसी प्रकार, बेंगलूरु में इसकी कीमत 2,898 रुपये, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 2,932.50 रुपये और बिहार की राजधानी पटना में 3,100.50 रुपये तक पहुंच गई है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से होटल, रेस्टोरेंट, कैटरिंग सेवाओं और अन्य व्यवसायिक उपभोक्ताओं को प्रभावित करेगी।वहीं, आम जनता के लिए राहत की खबर यह है कि घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलो) के दाम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

भारत में डिजिटल की विकसित तकनीक को ग्लोबल बाजार में उतारेगी जियो रिलायंस

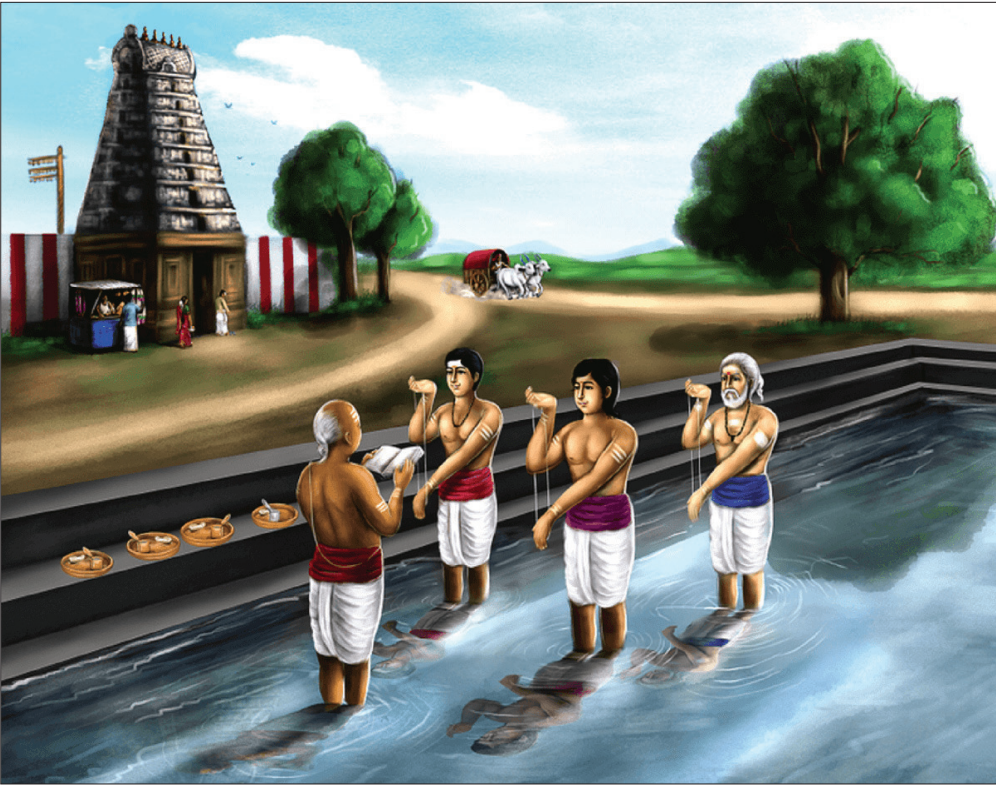
कंपनी ने कोर नेटवर्क, रेडियो, सॉफ्टवेयर और ओएसएस-बीएसएस तकनीकों को किया विकसित

नई दिल्ली।

भारत के टेलीकॉम बाजार में अपनी मजबूत स्थिति बनाने के बाद रिलायंस जियो अब वैश्विक तकनीकी बाजार में विस्तार की तैयारी कर रही है। जियो प्लेटफॉर्म से संकेत दिया है कि कंपनी भारत में डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए विकसित की गई तकनीक को उत्पादों में बदलकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेश करेगी।

कंपनी का फोकस 5जी नेटवर्क तकनीक, एआई, क्लाउड इफ्फास्ट्रक्चर, डिवाइस और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर जैसे क्षेत्रों पर है। रिपोर्ट के मुताबिक जियो ने भारत में अपने नेटवर्क के लिए कोर नेटवर्क, रेडियो, नेटवर्क सॉफ्टवेयर और ओएसएस-बीएसएस जैसी तकनीकों को विकसित किया है। कंपनी का दावा है कि उसने इन तकनीकों को 26.8 करोड़ 5जी उपयोगकर्ता होने का दावा किया गया है। 31 मार्च 2026 तक जियो प्लेटफॉर्म और उसकी इकाइयों ने 4जी, 5जी, 6जी, एआई और क्लाउड जैसे क्षेत्रों में कुल 6,817 पेटेंट दाखिल किए थे।

पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करना ही श्राद्ध है



में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आशावांद् प्राप्त होता है। श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोड़कर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा को सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को

प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांडों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है। अश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जो तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक अश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पितरों को प्राप्त होता है। पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें

कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दु धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशागात्र विधान का उल्लेख भरत कीर्हिद दशागात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं। विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ लिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाव को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्याथा हाथ उठाकर किसानों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, ब्रद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है।

गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वही रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरान्त फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे। श्राद्ध महिमा में कहा गया है- आयुः पूजां धनं विद्यां स्वर्गं मोक्षं सुखानि च। प्रयच्छति तथा राज्यं पितरः श्राद्धं प्रतिपत्ता॥ - अर्थात् जो लोग अपने पितरों को श्राद्ध श्रद्धापूर्वक करते हैं, उनके पितर संतुष्ट होकर उन्हें आयु, संतान, धन, स्वर्ग, राज्य मोक्ष व अन्य सौभाग्य प्रदान करते हैं।

संपादकीय

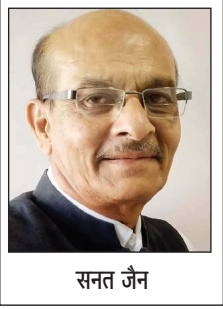
आसमानी साहस

यह कल्पना करना भी कठिन होता है कि सैकड़ों यात्रियों की सुरक्षा के लिये जवाबदेह किसी हवाई जहाज का कोई को-पायलट अपने कैप्टन पर हमला करके जहाज को क्रैश कराने की साजिश करेगा। यहां तक कि पायलटों को ट्रेनिंग में भी इस तरह की अप्रत्याशित चुनौती पर चर्चा नहीं होती, क्योंकि यह विश्वास ही नहीं किया जा सकता कि कोई पायलट अपने पेशे से गद्दारी कर ऐसा कृत्य कर सकता है। कभी आसमान में जब ऐसा अप्रत्याशित घटे। फिर गंभीर रूप से घायल कैप्टन हमलावर साथी पायलट के घातक हमलों से जूझता हुआ, बेहद मुश्किल हालात में कॉकपिट खेल दे। फिर यात्रियों व क्रू-मैम्बर्स को मदद के लिये आवाज दे। तो वास्तव में वह कैप्टन हमारी हकीकत की ज़िंदगी के हीरो से भी बढ़कर महानायक सरीखा ही है। फ्लाई दुबई के हवाई जहाज में कैप्टन स्मित मच्छार के ऐसे ही साहस से भयानक साजिश के चलते अचानक हज़ारों फीट नीचे गिरते जहाज को नियंत्रण में लाया जा सका। उनके साहस से हवाई जहाज में सवार 174 यात्रियों की जान बचायी जा सकी है। आज स्मित के साहस की दुनिया तारीफ कर रही है। हमेशा भारतीयों को लेकर असहज टिप्पणियां करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्मित के साहस की सार्वजनिक रूप से तारीफ की है। इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हीरो की तारीफ करते हुए कहा है कि एक हिंदुस्तानी ने एक दूसरा 9/11 होने से बचा लिया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत का गौरव बढ़ाने वाले स्मित मच्छार के साहस की मुक्तकंठ से प्रशंसा की है। निस्संदेह, स्मित व हवाई जहाज में साहस दिखाकर विमान की सऊदी अरब में सुरक्षित लैंडिंग कराने वाले सहयोगी यात्री अभिनंदन के काबिल हैं। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाई दुबई की फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग की घटना अप्रत्याशित और रोंगटे खड़े करने वाली है। इस्त्राइली यात्री यानीव हायुन भी बड़ी त्रासदी टालने वाले साहसी यात्रियों में शामिल थे। इस हवाई जहाज के इस्त्राइल में उतरने पर इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हवाई अड्डे पहुंचकर इस साहसी यात्री की पीठ थपथपायी।

बहरहाल, स्मित मच्छार द्वारा समय पर दिखाए गए अदम्य साहस ने एक बड़ी हवाई त्रासदी को टाल दिया। निश्चित रूप से आने वाले समय में जांच के बाद कई अहम सवालों के जवाब मिल पाएंगे। सवाल है कि आखिर विमान का को-पायलट जहाज को क्यों क्रैश कराना चाहता था? क्या इसके पीछे कोई आत्मघाती विचारधारा काम कर रही थी या ये कोई बड़ी आतंकी साजिश थी? क्या ये को-पायलट के कट्टरपंथ की ओर रझान, या फिर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या की परिणति थी? वैसे साजिश में ईरान के शामिल होने के दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। समय की मांग है कि सऊदी अरब, यूएई और इस्त्राइल आदि देशों के जांचकताओं को असलियत का पता लगाना चाहिए। बहरहाल, इस्त्राइल पर हमास के घातक हमले की तीसरी बरसी से कुछ दिन पहले हुई इस भयावह घटना ने दुनियाभर में हवाई यात्रा की सुरक्षा से जुड़े सवालों पर सबका ध्यान खींचा है। इस घटनाक्रम के कई अनुत्तरित सवाल लोगों को परेशान कर रहे हैं कि को-पायलट को प्राणघातक हथियार कैसे मिला? क्या हवाई जहाज के उड़ान भरने से पहले कॉकपिट सुरक्षा के मौजूदा नियमों का पूरी तरह से पालन किया गया था? घटनाक्रम के आलोक में एविएशन प्रोटोकॉल की पारदर्शी जांच भी जरूरी है। इस घटना का मानवीय पहलू यह है कि कैप्टन, यात्रियों व क्रू मैम्बर्स ने बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में विमान को आकाश में बनाये रखा। बेहद जटिल स्थिति में तत्काल समायूनकूल निर्णय लेने के लिये उनके हिम्मती कदम बेहद सम्मान व तारीफ के काबिल हैं। जिसके चलते स्मित मच्छार को आज इस्त्राइल में एक बड़े हीरो की तरह देखा जा रहा है। मौत के मुंह से निकलकर आये यात्री सोशल मीडिया पर उनका गुणगान करते नहीं थक रहे हैं। इतना ही नहीं, एक भारतीय के अदम्य साहस के लिये इस्त्राइल में भारत की भी धन्यवाद दिया जा रहा है। बहरहाल, व्यापक नजरिये से देखें तो इस घटनाक्रम के बाद एविएशन अधिकारियों की जिम्मेदारी बनती है कि वे भविष्य में ऐसे घटनाक्रम की पुनरावृत्ति रोकने के लिये चाक-चौबंद सुरक्षा उपाय अपनाएं।

सूक्ति

अपने आप को खुश करने का सबसे अच्छा तरीका है, किसी और को खुश करने की कोशिश करना।
 – मार्क ट्वेन
 कभी कभी हमे स्वयं को बताने की यह जरूरत पड़ती है की हम दुसरो को क्या दे सकते हैं। – डॉ फिल



सनत जैन

अब फॉर्म 7 में धांधली...
 केंद्रीय चुनाव आयोग सॉफ्टवेयर के माध्यम से क्या-क्या गुल खिला रहा था यह एक के बाद एक स्पष्ट होता चला जा रहा है। हाल ही में फॉर्म नंबर 6 और तार्किक मूल्यांकन के जरिए मतदाता सूची में 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए थे। 2024 के बाद 18 वर्ष पूरे कर चुके युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए थे। इसके अलावा फॉर्म 7 के माध्यम से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक मतदाताओं और ऐसे लोगों के नाम काटे जा रहे थे जो एक पार्टी विशेष को मतदान नहीं करते थे। इस काम में बड़ी संख्या

अरब सागर से पंजाब तक नशे का नेटवर्क देश की सुरक्षा और युवा पीढ़ी के लिए बड़ी चुनौती



कालिलाल मंडोत

समुद्री सीमा की चौकसी के साथ समाज को भी बनना होगा नशामुक्ति की मजबूत दीवार...
 भारत की समुद्री सीमा से मादक पदार्थों की एक और बड़ी खेप पकड़े जाने ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नशे का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, युवा पीढ़ी और सामाजिक व्यवस्था से जुड़ी गंभीर चुनौती बन चुका है। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते और भारतीय तटरक्षक बल ने 25 सितंबर 2026 को लक्षद्वीप के पश्चिम में अरब सागर में संयुक्त अभियान चलाकर एक ईरानी नाव से करीब 526 किलोग्राम हेरोइन और मेथामफेटामाइन बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी नागरिकों को भी पकड़ा गया है। यह कार्रवाई केवल एक खेप पकड़ने की घटना नहीं है। इसके पीछे काम कर रहे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की जांच अब सुरक्षा एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण है। सरकारी जानकारी के अनुसार अभियान खुफिया सूचना के आधार पर चलाया गया और समुद्री तथा हवाई निगरानी के बाद संदिग्ध नाव को रोका गया। नाव और पकड़े गए लोगों को मुंबई लाकर आगे की संयुक्त जांच शुरू की गई है। एंसिया यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क के पीछे कौन लोग हैं, माल के संभावित प्राप्तकर्ता कौन थे और इसके आर्थिक लेनदेन की कड़ियां कहाँ तक जाती हैं। जांच से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि खेप को भारत में पहुंचाने के बाद आगे दूसरे राज्यों तक ले जाने की योजना थी। रिपोर्टों में एक नहजीरियाई व्यक्ति और पाकिस्तान से जुड़े कथित तस्करी नेटवर्क



का भी उल्लेख है। इन दावों की पूरी पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। इसलिए किसी पूरे देश या समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति की तस्करी से जोड़ना उचित नहीं होगा। वास्तविक चुनौती उन संगठित आपराधिक नेटवर्क को पहचानना और तोड़ना है जो अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और समुद्री रास्तों का इस्तेमाल करते हैं। गुजरात के समुद्री क्षेत्र में इस वर्ष हुई कार्रवाइयां समस्या की गंभीरता का संकेत देती हैं। भारतीय तटरक्षक बल के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार 16 फरवरी 2026 को गुजरात एटीएस के साथ संयुक्त कार्रवाई में करीब 203 किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ ले जा रही एक नाव पकड़ी गई थी। इसके बाद मई में मुंद्रा बंदरगाह के निकट करीब 118.977 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई, जिसकी कीमत 1,189 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई। इस मामले में पुलिस के अनुसार खेप को 2025 में जहाज में छिपाया गया था। सितंबर की 526 किलोग्राम की कार्रवाई इन घटनाओं के बीच सबसे बड़ी हालिया बरामदगी में शामिल है। इन आंकड़ों से यह समझना जरूरी है कि समुद्री मार्ग केवल सीमा की सुरक्षा का विषय नहीं है। समुद्र से आने

वाला अवैध माल यदि तट तक पहुंच जाए तो उसके बाद उसका फैलाव कई राज्यों और शहरों तक हो सकता है। इसलिए समुद्र में निगरानी, बंदरगाहों की सुरक्षा, खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच और राज्यों के बीच समन्वय एक साथ मजबूत करना होगा। केवल एक खेप पकड़ लेने से समस्या समाप्त नहीं होगी। असली सफलता तब होगी जब तस्करी के पूरे आर्थिक और आपराधिक नेटवर्क को कानून के दायरे में लाया जाए। नशे के खिलाफ लड़ाई का दूसरा और अधिक महत्वपूर्ण पक्ष युवा पीढ़ी की सुरक्षा है। किसी भी समाज में मादक पदार्थों की मांग बनी रहेगी तो आपूर्ति रोकने के बाद भी नए रास्ते तलाशने वाले अपराधी सक्रिय रहेंगे। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए परिवार, विद्यालय, महाविद्यालय, खेल संस्थान, सामाजिक संगठन और प्रशासन को मिलकर लगातार अभियान चलाना होगा। केवल भाषणों और पोस्टरों से काम नहीं चलेगा। युवाओं को खेल, कौशल विकास, रोजगार, रचनात्मक गतिविधियों और स्वस्थ सामाजिक वातावरण से जोड़ना होगा। माता-पिता को बच्चों के व्यवहार में अचानक आने वाले

गंभीर बदलावों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। संवाद का वातावरण ऐसा हो जिसमें बच्चा किसी गलत दबाव, डर या समस्या के बारे में परिवार से खुलकर बात कर सके। विद्यालयों में नशे के नुकसान को डर पैदा करने के बजाय वैज्ञानिक और स्वास्थ्यपरक तरीके से समझाया जाना चाहिए। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों में दिखाई देने वाले गंभीर व्यवहारिक बदलावों पर संवेदनशीलता से ध्यान देना चाहिए और जरूरत पड़ने पर अभिभावकों तथा विशेषज्ञ सहायता से जोड़ना चाहिए। सरकार और प्रशासन के स्तर पर समुद्री निगरानी को अत्याधुनिक तकनीक से मजबूत करना, तटरक्षक बल, पुलिस, सीमा सुरक्षा एजेंसियों और केंद्रीय जांच एजेंसियों के बीच तत्काल सूचना साझा करना तथा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की वित्तीय कड़ियों की जांच करना जरूरी है। गुजरात जैसे लंबे समुद्री तट वाले राज्य में मछुआरा समुदाय भी सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। समुद्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद व्यवस्था जितनी मजबूत होगी, उतनी ही जल्दी सुरक्षा एजेंसियां तक जानकारी पहुंच सकेगी। नशे की समस्या का स्थायी समाधान कठोर कार्रवाई के साथ सामाजिक जागरूकता में है। तस्करी के खिलाफ कानून का शिकंजा मजबूत होना चाहिए, लेकिन नशे की चपेट में आए युवाओं को केवल अपराधी के रूप में देखने के बजाय उपचार, परामर्श और पुनर्वास की व्यवस्था भी मजबूत करनी होगी। परिवारों को यह समझना होगा कि मदद मांगना कमजोरी नहीं है। समय पर सहायता मिलने से कई युवा अपना जीवन दोबारा सामान्य दिशा में ले जा सकते हैं। अब सागर में हुई 526 किलोग्राम की जब्ती सुरक्षा एजेंसियों की सफलता का प्रमाण है, लेकिन यह चेतावनी भी है कि चुनौती लगातार बनी हुई है। भारत को समुद्र से लेकर शहरों तक और सभी से लेकर परिवार तक नशे के खिलाफ बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करनी होगी। युवाओं को नशे से बचाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परिवार, समाज और प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का साझा दायित्व है। सुरक्षित समुद्री सीमा और नशामुक्त युवा पीढ़ी-दोनों मिलकर ही मजबूत और स्वस्थ भारत की नींव तैयार कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान में सुबह–सुबह कांपी धरती : 5.3 तीव्रता का आया भूकंप

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान में गुरुवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 रही। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 6:59 बजे आया। इसका केंद्र अफगानिस्तान में 35.981 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 68.700 डिग्री पूर्वी देशंतर पर था। भूकंप की गहराई जमीन से करीब 126 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। फिलहाल भूकंप से किसी तरह के जान–माल के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारियों की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

भारत दौरे पर आएंगे नेपाल के पीएम शाह, तारीख तय नहीं

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह जल्द भारत की यात्रा कर सकते हैं। हालांकि, उनकी आधिकारिक यात्रा की तारीख अभी तय नहीं हुई है। नेपाली विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बुधवार को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर मीडिया संग यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि दोनों देश प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा को अपूर्ण और नतीजे देने वाली बनाने के पक्ष में हैं।

फलाईदुर्बई विमान चाकूबाजी : इसाइल के नागरिक ने कैसे सीखा प्लेन चलाना? पीएम नेतन्याहू मिलने पहुंचे तो खुद बताया

येरुशलम, एजेंसी। यूरूप से इसाइल जा रही फलाईदुर्बई की उड़ान में बुधवार को उस समय हड़कप मच गया, जब एक पायलट पर कथित तौर पर चाकू से हमला किया गया और विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा। इस दौरान यात्रियों ने हिम्मत दिखाते हुए कॉकपिट में घुसकर हमलावर को काबू किया और विमान को संभालने में मदद की। इस घटना के बाद विमान को सऊदी अरब की ओर मोड़ दिया गया, जहां उसने सुरक्षित लैंडिंग की। घटना में अहम भूमिका निभाने वाले यात्री यानिव हयून ने बुधवार को तेल अवीव एयरपोर्ट पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से जारी वीडियो में प्रधानमंत्री यानिव हयून को गले लगाते और उन्हें ‘हीरो’ बताते नजर आए। मुलाकात के दौरान हयून ने खून से सनी शर्ट पहनी हुई थी। हयून ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि एक पायलट पर हमला हुआ है, तो उन्होंने अन्य यात्रियों के साथ मिलकर कॉकपिट में पहुंचने की कोशिश की। घायल पायलट कॉकपिट के दरवाजे से दबा हुआ था, जिससे अंदर जाना मुश्किल हो रहा था। हयून के मुताबिक, जब वह कॉकपिट के अंदर पहुंचे तो पायलट अपनी सीटों पर नहीं थे। एक पायलट जमीन पर था, जबकि दूसरा पैनेल पर था। उन्होंने बताया कि कथित हमलावर विमान के नियंत्रण से जुड़े उपकरणों के पास था और ऐसा लग रहा था कि वह विमान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। हयून ने हमलावर को पीछे से पकड़कर काबू किया और उस कॉकपिट के नियंत्रण वाले हिस्से से दूर खींच लिया। इसके बाद उन्होंने विमान को दोबारा नियंत्रण में लाने में मदद की।

पाकिस्तानी मौलाना ने हूतियों को बताया आतंकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच तनाव अपने चरम पर है। इसी बीच एक पाकिस्तानी मौलाना के बयान ने इस युद्ध को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया। पाकिस्तानी मौलाना के मुताबिक हूती आतंकवादी हैं और उनका इस्लाम से कोई लेना–देना नहीं है। मौलाना के इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई बहस को जन्म दे दिया है। पाकिस्तान उलेमा काउंसिल के प्रमुख हाफिज मुहम्मद ताहिर अशराफी सऊदी अरब में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हूतियों का इस्लाम से कोई लेना–देना नहीं है। अशराफी ने हूतियों को आतंकवादी बताया। इसके अलावा उन्होंने सऊदी अरब की सुरक्षा को पाकिस्तान के लिए रेड लाइन बताया और कहा कि पाकिस्तान की सरकार, सेना, उलेमा और जनता सऊदी अरब के साथ खड़ी है। हाफिज मुहम्मद ताहिर अशराफी ने सऊदी अरब और हूतियों के बीच चल रही जंग को लेकर कहा कि यह शिया और सुन्नी के बीच का युद्ध नहीं है और न ही यह दो देशों के बीच की जंग है। अशराफी ने कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच रक्षा समझौते की तारीफ करते हुए इसे तीनों देशों के लिए महत्वपूर्ण बताया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय पायलट कैप्टन र्स्मित मच्छार को बताया ‘हीरो’

वाॅशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लाइडुर्बई के विमान के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, ‘मुझे लगता है कि यह एक अविश्वसनीय कहानी है। लेकिन, मैंने इस घटना के बारे में नेतन्याहू से काफी देर तक बात की।’ ट्रंप के मुताबिक, उन्हें बताया गया कि ‘को–पायलट शायद आतंकवादी था या शायद सनकी था और उसने पायलट को चाकू मार दिया। उन्होंने कहा, ‘पायलट की हालत बहुत खराब थी और मुझे लगता है कि अब भी काफी खराब है। लेकिन, गंभीर हालत में भी उसने किसी तरह दरवाजा खोलने की सुरुझ दिखाई। यह हैरान करने वाला था। वह एक हीरो है। इसके बाद ट्रंप ने उन्हें

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर की एयरस्ट्राइक: दो घरों पर बरसीं मिसाइलें, नौ की मौत; महिलाएं और बच्चे भी घायल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में पाकिस्तानी सैन्य कार्रवाई को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। तालिबान के प्रवक्ता जुबैदुल्लाह मुजाहिद ने दावा किया है कि पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक में कम से कम नौ अफगान नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए गए हैं। मुजाहिद के मुताबिक, बुधवार रात अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांतों में नागरिकों के घरों को निशाना बनाया गया। हमले में तीन मकान भी तबाह होने का दावा किया गया है।

कुनार और हेलमंद में नागरिक इलाकों पर हमला : तालिबान प्रवक्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि कुनार के शुलतान जिले के चुगाम इलाके और हेलमंद के गरमसर जिले के सफर इलाके में पाकिस्तानी विमानों ने हवाई हमले किए। उनके अनुसार, इन हमलों में 11 अफगान नागरिक मारे गए और 11 अन्य घायल हुए। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। तीन घरों के नष्ट होने की भी बात कही गई है।

हाल के दिनों में कई इलाकों में हमले : अफगानिस्तान में यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान की ओर से कई अफगान प्रांतों में हवाई हमलों की खबरें सामने आई हैं। 24 सितंबर को कंधार, पक्तिया और खोस्त में हुए पाकिस्तानी हमलों में चार नागरिकों के मारे जाने का दावा किया गया था।

एलन मस्क संभालेंगे अमेरिका की भविष्य की जंग का मोर्चा: पेंटागन ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

क्वाटिको, एजेंसी। अमेरिका ने भविष्य के युद्ध की बदलती तकनीक और सैन्य जरूरतों का आकलन करने के लिए नई पहल शुरू की है। इसमें टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क, रक्षा तकनीक कंपनी एंड्यूरिल के सह-संस्थापक पामर लकी और अमेरिका के पूर्व हाउस स्पीकर न्यूट गिंगरिच को अहम जिम्मेदारी दी गई है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक ‘प्रोजेक्ट मेरिडियन’ के तहत अगले 120 दिनों में यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि आने वाले वर्षों और दशकों में अमेरिकी सेना को किन हथियारों, तकनीकों और सैन्य क्षमताओं की जरूरत होगी।

धरती के नीचे से चंद्रमा के आगे तक युद्धक्षेत्र : अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेंथ ने वर्जीनिया के क्वांटिको स्थित मरीन कॉर्पस बेस में स्टेट ऑफ द फोर्स संवोधन के दौरान इस पहल की घोषणा की। उन्होंने कहा कि परियोजना का उद्देश्य नई रणनीति या नीतियां तैयार करना नहीं, बल्कि उन क्षेत्रों की पहचान करना है जिन पर अमेरिका को नियंत्रण स्थापित करना



इससे तीन दिन पहले कुनार और पक्तिा में हुए हमलों में तीन लोगों की मौत की बात सामने आई थी। इस तरह हाल के दिनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है।

तालिबान ने पाकिस्तान पर लगाए गंभीर आरोप : तालिबान प्रवक्ता जुबैदुल्लाह मुजाहिद ने पिछले सप्ताह पाकिस्तान पर अफगानिस्तान में हमलों के जरिए अपने देश की आंतरिक समस्याओं से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया था। कंधार के एक धार्मिक मदरसे में बोलते हुए मुजाहिद ने दावा किया था कि पाकिस्तान में राजनीतिक और आर्थिक परेशानियां बढ़ रही हैं और घरेलू विरोध-प्रदर्शनों के बीच वहां की सरकार अफगानिस्तान पर हमलों के जरिए लोगों का ध्यान दूसरी ओर ले जाना चाहती है। हालांकि, ये आरोप तालिबान पक्ष की ओर से लगाए गए हैं। मक्का समझौते का भी उल्लंघन मुजाहिद ने पाकिस्तान, सऊदी अरब

विदेश

विदेश

विदेश

बढ़ते तनाव के बीच नागरिक इलाकों पर हमलों को लेकर स्थिति पर नजर बनी हुई है। पाकिस्तान का दावा–आतंकी ठिकानों पर हमला किया, 22 लड़के मरे पाकिस्तान का दावा है कि गुरुवार को उसने दो जगहों पर आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया। इसमें कम से कम 22 लड़के मारे गए। हालांकि जबौदुल्लाह मुजाहिद ने हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने गलत किया है। यह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है और इसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। अफगानिस्तान ने कहा– पाकिस्तान सब्र का इम्तहान न ले पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तालिबान सरकार के मंत्री नूरुल्लाह नूरी ने पाकिस्तान को अफगानों के सब्र का इम्तहान न लेने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अफगानिस्तान का इतिहास याद रखना चाहिए, जहां सोवियत संघ और अमेरिका जैसी बड़ी ताकतें भी युद्ध के बाद सफल नहीं हो सकीं। पाकिस्तान और तालिबान के बीच तनाव बढ़ा पाकिस्तान का कहना है कि हाल में तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान के लड़कों ने अफगानिस्तान के पक्तिया और नंगरहार प्रांतों से पाकिस्तान में घुसपैठ की कोशिश की। इसके बाद सीमा पर दोनों पक्षों के बीच गोलाबारी हुई। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान से ड्रोन भी भेजे गए, जबकि तालिबान सरकार ने इन आरोपों से इनकार किया।

और तुरकिये के बीच हुए रक्षा समझौते का भी जिक्र किया। तीनों देशों ने 7 अगस्त को मक्का में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत किसी एक सदस्य देश पर सशस्त्र हमला होने की स्थिति में उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। मुजाहिद ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अफगानिस्तान पर हमलों के जरिए इस समझौते से बचने और खुद को अफगानिस्तान के साथ युद्ध में दिखाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने पाकिस्तान पर पड़ोसी देश की सीमा का उल्लंघन कर अपनी कथित नाकामियों से लोगों का ध्यान हटाने का आरोप भी लगाया।

तालिबान ने दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी : तालिबान प्रवक्ता ने पाकिस्तान की कार्रवाई के खिलाफ अफगानिस्तान की ओर से ‘उचित जवाब’ देने की चेतावनी भी दी है। उन्होंने पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई को दबाव बनाने की कोशिश बताया। फिलहाल दोनों देशों के बीच

ब्रिटिश पीएम का दावा: ‘वायुसेना अड़े के पास सदिव्ध आतंकी घटना में ईरान की भूमिका’, जांच में क्या मिला?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंजी बर्नहम ने बुधवार को कहा कि ब्रिटेन का मानना है कि दक्षिण–पश्चिम इंग्लैंड के एक गांव में रॉयल एयर फोर्स के अड्डे के पास हुई घटना में ईरान की भूमिका थी। इस घटना की जांच देश की आतंकवाद रोधी पुलिस कर रही है। रविवार को पांच ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। सभी की उम्र 20 साल के आसपास है। पुलिस को विलफोर्ड गांव में एक सूचना मिली थी। यह गांव रॉयल एयर फोर्स के फेंयरफोर्ड अड्डे के पास है। सूचना मिलने के बाद पुलिस वहां पहुंची थी। इसके बाद पांचों लोगों को गिरफ्तार किया गया। बाद में सभी को जमानत पर छोड़ दिया गया।

बर्नहम ने क्या बताया : इस अड्डे पर बड़ी संख्या में अमेरिकी वायुसेना के जवान और अभियान मौजूद हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सद्विधों को जमानत



दिए जाने पर सवाल उठया है। बर्नहम ने पत्रकारों से कहा, इस बात के मजबूत संकेत हैं कि ईरान की इसमें भूमिका थी। फिर भी यह पुलिस को एक जटिल और बेहद गंभीर जांच है। इसलिए इस समय में इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। उन्होंने बताया कि उन्होंने सोमवार को कैबिनेट कार्यालय में आपात बैठक की अध्यक्षता की थी। इसे कोबरा बैठक कहा जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार इस बात की पुष्टि

ईरान हार मान लेगा, डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा, होर्मुज को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति और ईरान में जुबानी जंग तेज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान हार मान लेगा और दावा किया कि अमेरिका ने पिछले कुछ दिनों में स्टेट ऑफ होर्मुज से इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक तेल निकाला है। उन्होंने यह बयान मंगलवार को अमेरिकी टेक जात के दिग्गजों के साथ एक लंच मीटिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए दिया। ट्रंप ने इस दौरान मीटिंग के दौरान एक संघीय आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए अटीफिशियल इंटेलिजेन्स से जुड़ा एक अहम बदलाव करने की घोषणा की। ट्रंप ने अमेरिका में आधिकारिक तौर पर अटीफिशियल इंटेलिजेन्स का नाम बदलकर सुपर इंटेलिजेन्स कर दिया है। अब अमेरिका के सरकारी दस्तावेजों में अटीफिशियल इंटेलिजेन्स को आधिकारिक तौर पर सुपर इंटेलिजेन्स बोला और लिखा जाएगा।

ईरान हार मान लेगा: डोनाल्ड ट्रंप : टेक दिग्गजों के साथ मीटिंग के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया से ईरान युद्ध को लेकर बात करते हुए कहा कि, वे हार मान लेंगे हमने पिछले कुछ दिनों में स्टेट ऑफ होर्मुज से इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक तेल निकाला है, ट्रंप ने कहा। इस बीच, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने कहा स्टेट ऑफ होर्मुज को लेकर अमेरिका और अन्य देशों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान की सुरक्षा सुनिश्चित

नहीं की गई, तो कोई भी बुनियादी ढांचा सुरक्षित नहीं रहेगा। उन्होंने यह बयान एक सार्वजनिक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान दिया। जिसमें उन्होंने स्टेट ऑफ होर्मुज और जहाजों के आवागमन के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले के बयानों का जिक्र किया।

सच सब जानते हैं ट्रंप के दावों का : बगैर गालिबफ ने कहा, भूमित अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में स्टेट ऑफ होर्मुज और उससे जहाजों के गुजरने के बारे में जो बयानबाजी किया है, वह पहले किए गए दावों का दोहराव है, और इन भ्रामक दावों की सच्चाई सभी को पता है। उन्होंने आगे कहा, नाम बदलकर सुपर इंटेलिजेन्स कर दिया है। अब अमेरिका के सरकारी दस्तावेजों में अटीफिशियल इंटेलिजेन्स को आधिकारिक तौर पर सुपर इंटेलिजेन्स बोला और लिखा जाएगा।

ईरान से प्रतिबध हटाने को तैयार है अमेरिका : इसी बीच एक अमेरिकी अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अंतिम समझौते के हिस्से के रूप में ईरान को प्रतिबंधों में राहत देने और जमे हुए धन को जारी करने के लिए तैयार हैं , लेकिन केवल तभी जब तेहरान परमाणु मुद्दे पर ठोस प्रगति की पोषकश करे, क्योंकि मध्यस्थ दोनों देशों को बातचीत की मेज पर वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं।

ब्रिटिश पीएम का दावा: ‘वायुसेना अड़े के पास सदिव्ध आतंकी घटना में ईरान की भूमिका’, जांच में क्या मिला?

बावजूद गिरफ्तार किए गए पांच लोगों को जमानत क्यों दी गई। इस पर उन्होंने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि रिहा किए जाने का मतलब वैसा नहीं है, जैसा आम तौर पर समझा जाता है। उन्होंने कहा कि इन लोगों को जमानत की बहद कड़ी शर्तों के साथ छोड़ा गया है। उन्होंने आगे कहा कि अधिकारी मामले पर पूरी तरह नजर रख रहे हैं। उनके पास इस पर कड़ा नियंत्रण है। उन्होंने लोगों को इसका भरोसा भी दिलाया। इस बीच, ‘द टाइम्स’ ने खबर दी कि गिरफ्तार किए गए पांच सद्विधों में से एक ने घटना से करीब एक घंटे पहले खुद अधिकारियों से संपर्क किया था। ब्रिटेन की आतंकवाद रोधी पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। मंगलवार को पुलिस ने कहा कि अड्डे ने इसे ‘ईरान की ओर से किए गए फेलाग’ बताया था। पांचों सद्विधों को जमानत क्यों मिली बर्नहम से पूछ गया कि मामले की गंभीरता के

मेयर से पीएम पद तक का शानदार सफर... मोरक्को में इतिहास रचने वाली हैं फातिमा मंसूरी?

रबात , एजेंसी। मोरक्को के शाही महल ने देश के नए प्रधानमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा की है। राजा मोहम्मद 6 ने फातिमा एज्जाहरा अल मंसूरी को सरकार का नया प्रमुख नियुक्त किया है। 23 सितंबर के संसदीय चुनावों के छह दिन बाद 29 सितंबर को यह ऐतिहासिक फैसला आया।

अल मंसूरी की पार्टी पीएमए चुनाव में 97 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। वे मोरक्को की पहली और पूरे अरब जगत की दूसरी महिला प्रधानमंत्री बनकर इतिहास रच चुकी हैं। पेशे से वकील और पूर्व मंत्री अल मंसूरी अब नई गठबंधन सरकार बनाने की तैयारी में जुटी हैं।

चुनावी नतीजे और बहुमत के लिए गठबंधन सरकार की चुनौती मोरक्को की 395 सीटों वाली संसद हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 23 सितंबर को मतदान हुआ था। चुनाव नतीजों में अल मंसूरी की पार्टी पीएमए ने 97 सीटें जीतकर पहला स्थान पाया। नेपाल रैली ऑफ इंडिपेंडेंट्स 66 सीटों से दूसरे और इस्तिकलाल पार्टी 65 सीटों से तीसरे स्थान पर रही। वहीं जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी ने चुनाव में 54 सीटें हासिल कीं। संसद में स्पष्ट बहुमत का आंकड़ा 198 सीटों का है, जिससे पीएमए पार्टी अभी काफी दूर है। इसलिए फातिमा अल मंसूरी को सरकार बनाने के लिए दूसरी सहयोगी पार्टियों से गठबंधन करना होगा। अजीज अखनौच की पार्टी RNI और इस्तिकलाल पार्टी से गठबंधन की बातचीत की संभावना है। सभी दलों को एक साथ लाकर स्थायी सरकार बनाना उनकी पहली बड़ी प्रशासनिक परीक्षा होगी। शुरुआती



जीवन, कानून की पढ़ाई और मारकेश की पहली महिला मेयर 50 वर्षीय फातिमा एज्जाहरा अल मंसूरी का जन्म एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार में हुआ था। उनके पिता अब्देरहमान अल मंसूरी संयुक्त अरब अमीरात में मोरक्को के राजदूत हैं। अल मंसूरी ने फ्रांस की मोटोपेलियर यूनिवर्सिटी से कानून में एडवॉरेट डिग्रीला किया। इसके बाद उन्होंने अमेरिका की न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से बिजनेस लॉ में डिग्रीला हासिल किया। कानूनी शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने वकालत से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2008 में जब ऑर्थेंटिस्ट्स एंड मॉर्निटिग पार्टी बनी तो वे इसकी संस्थापक सदस्य बनीं। वर्ष 2009 में वे 35 साल की उम्र में मारकेश शहर की पहली महिला मेयर चुनी गईं। वर्ष 2021 में वे दोबारा मारकेश की मेयर बनीं और फिर राष्ट्रीय सरकार में आवास मंत्री बनीं। नई सरकार के सामने 2030 फीभा वर्ल्ड कप और आर्थिक विकास की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री के रूप में अल मंसूरी के सामने कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां हैं। मोरक्को वर्ष 2030 में स्पेन और पुर्तगाल के साथ फीफा वर्ल्ड कप की संयुक्त मेजबानी करेगा। विश्व कप के लिए स्टैंडियम, हाईवे और रेल जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पूरे करने होंगे।

छात्र स्वच्छता गतिविधियों में रोजाना कम-से-कम 30 मिनट दें : प्रह्लाद जोशी

एजेसी नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने छात्रों से स्वच्छता संबंधी गतिविधियों के लिए कम-से-कम 30 मिनट देने का आह्वान करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भागीदारी से स्वच्छ, हरित और स्वस्थ भारत के निर्माण को गति मिल सकती है। जोशी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के गंगी कॉलेज में राष्ट्रव्यापी ‘एक दिन, एक घंटा, एक साथ’ पहल के तहत श्रमदान और स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया। इस अवसर पर उन्होंने कॉलेज परिसर में ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। छात्रों से संवाद करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वच्छता का सीधा संबंध सार्वजनिक स्वास्थ्य और लोगों के कल्याण से है। उन्होंने छात्रों से शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ अपने घरों और सार्वजनिक स्थानों पर भी स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत प्रयास सामूहिक भागीदारी को प्रेरित कर सकते हैं और स्वच्छता को जन आंदोलन में बदलने में मदद कर सकते हैं।

राजस्थान कांग्रेस में बड़ा सियासी भूचाल : पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने दिया पार्टी से इस्तीफा? डेटासरा पर लगाए गंभीर आरोप, सीएम से जांच की मांग

जयपुर। राजस्थान की सियासत में उस वक़्त बड़ा राजनीतिक विस्फोट हो गया, जब पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में कद्दावर कैबिनेट मंत्री रहे और भरतपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य विश्वेंद्र सिंह ने कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। हालांकि पार्टी ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। हाल ही में संपन्न हुए शहरी निकाय चुनावों के नतीजों के बाद पार्टी के भीतर सुलग रहा असंतोष अब पूरी तरह खुलकर सामने आ गया है। सोशल मीडिया पर अपने त्यागपत्र और ‘मन की बात’ को साझा करते हुए विश्वेंद्र सिंह ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डेटासरा की कार्यशैली, नेतृत्व और नीतियों पर तीखा हमला बोला है।

मप्र के ग्वालियर आए ओडिशा के इन्प्लुएंसर दल ने देखी विकास की परियोजनाएं

ग्वालियर। सेवा-संकल्प अभियान के तहत ओडिशा से मध्य प्रदेश के प्रवास पर आए 28 सदस्यीय सोशल मीडिया प्रभावक (इन्प्लुएंसर) दल ने ग्वालियर की विभिन्न विकास परियोजनाओं का अवलोकन किया। इसके साथ ही ग्वालियर के पुरातात्विक महत्व एवं ऐतिहासिक स्थलों का भी अवलोकन किया। ओडिशा से आए दल ने ग्वालियर के जोरাসी के समीप निर्मित किए जा रहे अम्बेडकर धाम का अवलोकन किया। अम्बेडकर धाम का निर्माण लोक निर्माण विभाग की पीआईयू सेल द्वारा किया जा रहा है। अम्बेडकर धाम में लाइब्रेरी, गैलरी एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध होने के साथ-साथ बाबा साहब अम्बेडकर के जीवन के विभिन्न पहलुओं की भी जानकारी प्राप्त होगी। ओडिशा के इन्प्लुएंसर दल ने ग्वालियर में अटल स्मारक निर्माण का भी दल ने अवलोकन किया। अटलजी के जीवन दर्शन पर आधारित यह भव्य स्मारक शीघ्र ही पूर्ण होगा। इसके बाद ओडिशा से आए दल ने ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल का भी अवलोकन किया। ग्वालियर का विमानतल बहुत ही आधुनिक और कम समय में निर्मित किया गया एयरपोर्ट है। दल द्वारा इसके पश्चात स्मार्ट सिटी के माध्यम से ग्वालियर में निर्मित किए गए अंतरराज्यीय बस स्टैण्ड का भी अवलोकन किया।

जम्मू कश्मीर में काम कर रहे बिहार में अररिया के मजदूर को अरनिया पुलिस ने लिया हिरासत में

अररिया। बिहार में अररिया जिले के कुर्साकांटा के सौरागंव के रहने वाले एक मजदूर को जम्मू कश्मीर में अरनिया पुलिस ने हिरासत में लिया और दो दिनों के पूछताछ के बाद पीआर बॉन्ड पर छोड़ा है। उन्हें कश्मीर पुलिस ने सदिग्ध गतिविधियों को लेकर हिरासत में लिया था। अरनिया पुलिस को उसके मोबाइल से एक दर्जन से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों के नंबर मिले हैं। जिसके बाद जम्मू कश्मीर पुलिस के साथ सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां पूछताछ में जुट गई है। कुर्साकांटा प्रखंड के सौरागंव में इसकी जानकारी तब मिली,जब हिरासत में लिये गए ताराचंद सदा पिता डोंक सदा उर्फ डोंकिक सदा की पत्नी ने घरवालों को फोन कर इसकी सूचना दी। ताराचंद 15 दिन पहले ही अपनी पत्नी और तीन बेटियों एवं एक बेटे के साथ जम्मू कश्मीर मजदूरी के लिए गया था।अरनिया सेक्टर में पुलिस चौकी के समीप झोपड़ीनुमा किराए के मकान में रहकर खेतों में धान काटने की मजदूरी कर रहा था। हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ताराचंद सदा के मोबाइल में इन पाकिस्तानी नागरिकों के नंबर कैसे आया।

महानदी जल विवाद पर अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक

सौहार्दपूर्ण समाधान पर जोर

एजेंसी नई दिल्ली। महानदी जल बंटवारे को लेकर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच वर्षों से चले आ रहे विवाद के स्थायी समाधान की ओर कदम बढ़ते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कर्तव्य भवन में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें सौहार्दपूर्ण हल निकालने पर जोर दिया गया है। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष, दोनों राज्यों

के मुख्य सचिव तथा जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग और दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। जुलाई में भी दोनों मुख्यमंत्रियों की जल शक्ति मंत्री की अध्यक्षता में बैठक हो चुकी है और दोनों राज्यों ने सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए तकनीकी बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई थी। बैठक में मुख्यमंत्री साय ने समाधान का स्पष्ट रोडमैप रखते हुए कहा कि महानदी दोनों राज्यों को बांटने वाली नहीं बल्कि जोड़ने वाली नदी है। उन्होंने कहा कि समाधान ऐसा होना चाहिए, जिसमें किसी की हार न हो। छत्तीसगढ़ का आग्रह न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, वैज्ञानिक, पारदर्शी और टिकाऊ समाधान का



जलग्रहण क्षेत्र राज्य में आता है। इसलिए छत्तीसगढ़ के किसानों, सिंचाई और आदिवासी अंचलों की वास्तविक जरूरतों को समाधान में

उचित स्थान मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने ओडिशा के हितों के प्रति छत्तीसगढ़ की प्रतिबद्धता स्पष्ट करते हुए कहा कि हीराकुंड ओडिशा की जीवनरेखा है और छत्तीसगढ़

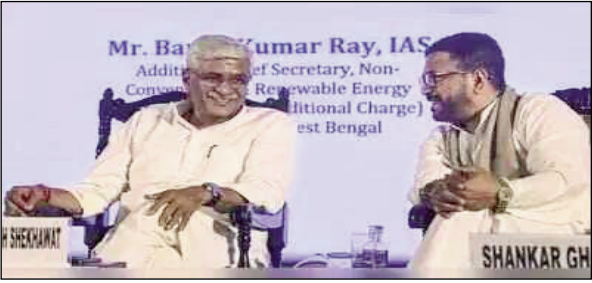
उसके हितों का सम्मान करते हुए उसके सुचारु संचालन में सहयोग करेगा। मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पहल की

पर्यटन क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए 2,500 करोड़ रुपये के निवेश की तैयारी में बंगाल सरकार

‘पर्यटन विभाग ने नई पर्यटन नीति का मसौदा भी तैयार कर लिया है’

एजेंसी कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार की नई भूमि और औद्योगिक नीति, जिसे दुर्गा पूजा से पहले पेश किया जाना है, पर्यटन क्षेत्र पर विशेष रूप से केंद्रित होगी। राज्य के पर्यटन मंत्री शंकर घोष ने कोलकाता में आयोजित आईसीसी हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म समिट में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार पर्यटन क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगभग 2,500 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य लेकर चल रही है।

मंत्री शंकर घोष ने कहा कि राज्य सरकार को बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के प्रत्यक्ष निवेश की उम्मीद है। इसके लिए वर्ष 2026-27 के लिए 500 करोड़ रुपये का वित्तीय आवंटन



तकनीक-सक्षम पर्यटन के माध्यम से पश्चिम बंगाल को विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाले प्रमुख राज्य में बदलना है। पर्यटन क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने और स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए सरकार एक नया

हॉस्पिटैलिटी संस्थान स्थापित करने की योजना बना रही है। मंत्री ने बताया कि पर्यटन विभाग ने नई पर्यटन नीति का मसौदा भी तैयार कर लिया है, जो

जैसे प्रमुख गंतव्यों को विकसित करने के साथ-साथ कई नई परियोजनाओं पर भी तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि पर्यटन क्षेत्र में निवेश का प्रवाह पहले ही शुरू हो चुका है। हाल ही में पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित एक शिखर सम्मेलन में 12,634 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जो इस क्षेत्र की व्यापक क्षमता को दर्शाता है।

इस कार्यक्रम में उपस्थित केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राज्य की क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र

सरकार बंगाल को सांस्कृतिक विरासत पर्यटन का गंतव्य बनाने की योजना बना रही है। शेखावत ने कहा कि भविष्य में पर्यटन केवल स्मारकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह पर्यटकों के अनुभव से संचालित होगा।

मप्र का बांधवगढ़ रिजर्व तीन माह के इंतजार के बाद खुला पहले दिन बाघिन के दीदार से पर्यटकों में उत्साह

एजेंसी भोपाल। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व तीन माह के मानसून ब्रेक के बाद पर्यटकों के खोल दिया गया। उत्साहपूर्ण माहौल में नए पर्यटन सत्र की शुरुआत के साथ ही बांधवगढ़ रिजर्व के कोर क्षेत्र में जंगल सफारी भी पुनः प्रारंभ हो गई है। पर्यटन सत्र के पहले दिन ताला, मागधी और खितौली गेट को आकर्षक ढंग से सजाया गया। पार्क प्रबंधन एवं वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने पर्यटकों का पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया। गेट खोलने से पहले विधिवत पूजा-अर्चना कर वन्यजीवों की सुरक्षा एवं पर्यटन सत्र के सफल संचालन की कामना की गई। ताला गेट से पार्क में प्रवेश करने वाले पर्यटकों के लिए पहला दिन ही यादगार बन गया। सिद्ध बाबा क्षेत्र के पास पर्यटकों को एक बाघिन के दीदार हुए। बाघिन को अपने प्राकृतिक परिवेश में विचरण करते देख पर्यटक रोमांचित हो उठे। सफारी वाहनों में सवार पर्यटकों ने बाघिन की गतिविधियों को काफी देर तक

देखा और इस खास पल को कैमरों में कैद किया। नए पर्यटन सत्र के पहले ही दिन बाघिन के दीदार से पर्यटकों का उत्साह और बढ़ गया। गौरतलब है कि बांधवगढ़ रिजर्व के कोर क्षेत्र में पर्यटन 1 अक्टूबर



से 30 जून तक संचालित होता है, जबकि बफर क्षेत्र में पर्यटन वर्षभर जारी रहता है। पर्यटकों के स्वागत के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा आवश्यक तैयारियां की गई हैं। निर्धारित समय पर तीनों प्रमुख गेटों से पर्यटकों के प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हुई।

मुरादाबाद में ‘यूपी राइज 2026’ का महामंच 100 टीमों की जंग में टीएमयू के 3 युवा स्टार्टअप से मारी बाज

एजेंसी मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को धरातल पर उतारने और युवाओं को नवाचार से जोड़ने के उद्देश्य से तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी (टीएमयू) में यूपी राइज 2026 सम्मेलन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भव्य आयोजन हुआ। प्रदेश सरकार और टाइम्स नेटवर्क की सहभागिता में संवाद, संकल्प, सफलता थीम पर आयोजित इस मंच पर विद्यार्थियों ने अपने नए-नए स्टार्टअप और व्यावसायिक मॉडलों से मेंटर्स को प्रभावित किया। पहले चरण में पंजीकृत 100 टीमों से शुरू हुआ यह मुकाबला दूसरे दौर में 35 और तीसरे चरण के फाइनल राउंड तक

15 शीर्ष टीमों के बीच पहुंचा। कड़े तकनीकी मूल्यांकन के बाद तीन सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप को सम्मानित किया गया, जिसमें प्रथम स्थान हासिल करने वाली टीम को 25,000 रुपये के चेक से पुरस्कृत किया गया। सम्मेलन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि बदलते दौर में युवाओं को सिर्फ नौकरी तलाशने तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि नवाचार के जरिए दूसरों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने हैं।

पहला पुरस्कार: पानी के दबाव से जीभ साफ कर सांसों की बदबू दूर करेगा ‘ओरल केयर’, मिला ₹25,000 का चेक प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए डेंटल कॉलेज

की टीम ‘ओरल केयर इनोवेटर्स’ ने ₹25,000 का चेक अपने नाम किया।

टीम सदस्यों ने बताया कि लोग दांतों की सफाई तो कर लेते हैं, लेकिन जीभ की अनदेखी से ‘हैलिटोसिस’ (मुंह की दुर्गंध) और ‘कैडिडिआसिस’ जैसी फंगल दिक्कतों का शिकार होते हैं। टीम पिछले एक साल से एक विशेष प्रोटोटाइप पर काम कर रही थी, जिसमें वाटर प्रेशर (पानी के नियंत्रित दबाव) की मदद से जीभ पर जमी मैल की परत को पूरी तरह साफ किया जा सकेगा। यह आधुनिक तकनीक पारंपरिक टंग क्लॉनर से कहीं अधिक सुरक्षित, प्रभावी और आसान सिद्ध होगी।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री आरसी पाटिल से मिले मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव

विभिन्न विषयों पर की चर्चा

एजेंसी भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से भेंट की। इस दौरान उनके बीच मध्य प्रदेश में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन और योजनाओं के कार्यों में तेजी लाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य को गति देने के लिए केन्द्र सरकार से आवश्यक सहयोग और लॉबिंग विषयों के शीघ्र निराकरण का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में जल जीवन मिशन के लिए

केन्द्रांश जारी करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत



वाली योजनाओं के लिए केन्द्रांश की राशि की प्रतिपूर्ति के लिये पोर्टल पर विकल्प प्रारंभ करने का

विषय भी रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल जीवन मिशन-2.0 के अंतर्गत मध्य प्रदेश के लिए

पेयजल योजनाओं के कार्यों को अपेक्षित गति से आगे बढ़ाया जा सके। बैठक में ‘सुजलाम भारत’ ऐप में जियो-टैगिंग से संबंधित तकनीकी कमियों के निराकरण का विषय भी प्रमुखता से रखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तकनीकी व्यवस्था को सुचारु बनाने से योजनाओं की निगरानी और प्रगति के प्रभावी आकलन में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से मध्य प्रदेश के हित में इन विषयों पर आवश्यक सहयोग प्रदान करने का अनुरोध करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण परिवारों को नल से स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में आवंटित राशि में वृद्धि किए जाने का अनुरोध किया, जिससे प्रदेश में

लोहागढ़ में हुई 21 वर्षीय मानसी गोविंदपुरकर की मौत से जुड़ी ऑनलाइन जानकारी खंगाली थी। दोनों ने कथित तौर पर अग्रवाल को किले से धक्का देकर उसकी मौत को हादसा दिखाने की योजना बनाई। केतन अग्रवाल (26) की 18 जून को मौत हुई थी। शुरुआत

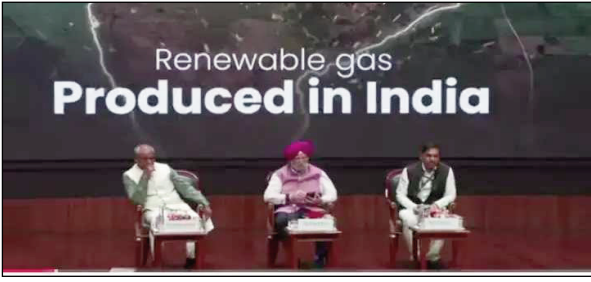
में इसे किले से गिरने का हादसा माना गया था, लेकिन जांच में पुलिस ने दावा किया कि उसे धक्का दिया गया था। पुलिस की ओर से कोर्ट में दाखिल 5,053 पन्नों की चार्जशीट में गोयल चौधरी और रितेश हांगे को आरोपी बनाया गया है। इसमें मोबाइल डेटा, कॉल डिटेल रिकॉर्ड,

गोबरधन योजना का शुभारंभ, सीबीजी उत्पादन में दस गुना वृद्धि का लक्ष्य

कचरे से ऊर्जा और जैविक खाद को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी नई दिल्ली। ग्रामीण क्षेत्रों में जैव-अवक्रमणीय एवं पशु अपशिष्ट को उपयोगी बायो-सीएनजी और जैविक उर्वरकों में परिवर्तित करने के उद्देश्य से गोबरधन योजना का औपचारिक शुभारंभ भारत मंडपम में किया गया। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य देश में घरेलू कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के उत्पादन में लगभग दस गुना वृद्धि करना है। उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष तथा स्ट्रेट ऑफ होमुज संकट के कारण

उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा अस्थिरता के बीच इस पहल को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक परिवर्तनकारी और महत्वपूर्ण पहल बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह योजना न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में



उपलब्ध जैव-अवक्रमणीय एवं पशु अपशिष्ट को उपयोगी बायो-सीएनजी और जैविक उर्वरकों में परिवर्तित करेगी, बल्कि भारत के नेट-जीरो कार्बन लक्ष्यों को प्राप्त

करने में भी सहायता करेगी और आयातित जीवाश्म ईंधनों पर देश की निर्भरता को कम करेगी। बाद में मीडिया को संबोधित करते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पेट्रोलियम एवं

प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल और संयुक्त सचिव आलोक त्रिपाठी के साथ सुझ, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी सहायता के बारे

में भी विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान यह भी बताया गया कि प्रति टन प्रतिदिन क्षमता पर 2 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान होगा। यह भी बताया गया कि भारत में कोई भी व्यक्ति या संस्था gobardhan.cil.co.in के माध्यम से पंजीकरण करा सकता है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से विभिन्न लाभ एवं सहायता प्राप्त करने के लिए यह पंजीकरण आवश्यक होगा। इससे पहले उद्घाटन संबोधन में भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव आलोक त्रिपाठी ने बताया कि वर्तमान में गोबरधन पहल के अंतर्गत 217 कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र चालू हो चुके हैं।

पुलिस के अनुसार, मानसी

केतन अग्रवाल हत्याकांड: मौत के पुराने केस की जानकारी जुटाकर रची गई थी साजिश, चार्जशीट में खुलासा

एजेंसी पुणे। महाराष्ट्र के बहुचर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में पुलिस ने कई राज खोले हैं। केतन अग्रवाल की लोहागढ़ किले में हत्या को घुंघटाना का रूप देने की कथित साजिश में 2025 में वहां हुई एक युवती की मौत की

जानकारी का इस्तेमाल किया गया था। पुणे ग्रामीण पुलिस की ओर से वडगांव मावल अदालत में दाखिल चार्जशीट में यह दावा किया गया है। पुलिस के मुताबिक, केतन अग्रवाल की मंगेतर सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी ने

लोहागढ़ में हुई 21 वर्षीय मानसी गोविंदपुरकर की मौत से जुड़ी ऑनलाइन जानकारी खंगाली थी। दोनों ने कथित तौर पर अग्रवाल को किले से धक्का देकर उसकी मौत को हादसा दिखाने की योजना बनाई। केतन अग्रवाल (26) की 18 जून को मौत हुई थी। शुरुआत

में इसे किले से गिरने का हादसा माना गया था, लेकिन जांच में पुलिस ने दावा किया कि उसे धक्का दिया गया था। पुलिस की ओर से कोर्ट में दाखिल 5,053 पन्नों की चार्जशीट में गोयल चौधरी और रितेश हांगे को आरोपी बनाया गया है। इसमें मोबाइल डेटा, कॉल डिटेल रिकॉर्ड,

सोशल मीडिया सामग्री, संदेश, तस्वीरें, गवाहों के बयान और तकनीकी विश्लेषण से जुड़े दस्तावेज शामिल हैं।चार्जशीट के अनुसार, सिया गोयल केतन अग्रवाल से शादी नहीं करना चाहती थी। दोनों की 19 फरवरी को सगाई हुई थी। पुलिस का आरोप है कि इसके बाद गोयल ने

चौधरी और हांगे के साथ मिलकर अग्रवाल की हत्या और उसे दुर्घटना का रूप देने की साजिश रची। जांच के मुताबिक, गोयल और चौधरी ने गूगल, यूट्यूब और सोशल मीडिया पर मौत, ट्रैकिंग हदसों और सबूत मिटाने से जुड़ी जानकारी खोजी। पुलिस ने दावा किया कि उनकी सच

में ‘लोहागढ़ किला’, ‘किसी को मारने का आसान तरीका’, ‘सोनम केस’, ‘गूगल अकाउंट कैसे डिलीट करें’ और ‘ट्रेकिंग की घटना’ जैसे शब्द शामिल थे। उन्होंने मेघालय के राजा राजवंशी हनीमूत हत्या मामले की जानकारी भी खोजी थी। चार्जशीट में मानसी गोविंदपुरकर की मौत को

साजिश से जोड़े हुए कहा गया है कि सिया को फेसबुक पर उसकी मौत की जानकारी मिली थी। मानसी 18 मार्च 2025 को घर से निकलने के बाद लापता हुई थी और उसका शव दो दिन बाद लोहागढ़ की तलाहटी में मिला था।

पुलिस के अनुसार, मानसी

एशियाई खेल: भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को हराकर स्वर्ण जीता

लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए भी कालीफाई किया

नगोया (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को रोमांचक फाइनल मुकाबले में 1-0 से हराकर एशियाई खेलों की महिला हॉकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। साल 1982 के बाद इस स्पर्धा में पहली बार भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीता है। भारत की ओर से फाइनल मैच का एकमात्र विजयी गोल लालरेम्सियामी हमारजोटे ने किया। उन्होंने मैच के पहले क्वार्टर में 10वें मिनट में यह गोल किया। भारत के लिए 2017 में डेब्यू करने वाली लालरेम्सियामी हमारजोटे का यह 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच था। चीन को मैच के 23वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला था पर इसे भारतीय गोलकीपर

सविता पुनिया ने रोक लिया। इस जीत के साथ ही भारत ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए भी कालीफाई कर लिया है। चार दशकों के अधिक के लंबे इंतजार के बाद यह टीम के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। भारतीय टीम ने 10वें मिनट में ही मैच का एकमात्र गोल कर लिया था। इसके बाद अगले 50 मिनट तक चीन की टीम गोल करने की कोशिश करती रही, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। फाइनल मुकाबले में बहुत मिलने के बाद भारतीय टीम ने काफी अच्छ बचाव किया। चीनी खिलाड़ियों ने भारत की रक्षापर्क को तोड़ने की काफी कोशिश की लेकिन वह असफल रही।



एशियाई खेलों में भारत की महिला तीरंदाजी टीम ने स्वर्ण जीता



–क़ुरती में दीपांशी हारी

नगोया (एजेंसी)। एशियाई खेलों में भारत की महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम ने इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक पर निशाना साधा हालांकि क़ुरती में भारत की दीपांशी को कड़े मुकाबले में हार झेलनी पड़ी है। महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम में शामिल कुमकुम मोहोत, आंकिता भक्त और कीर्ति ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए दक्षिण कोरियाई टीम टीम को हराया। भारतीय टीम की ओर से 17 वर्षीय युवा तीरंदाज कुमकुम मोहोत ने जबरदस्त खेल दिखाया। कुमकुम ने संयम और स्टीकता का परिचय देते हुए लगातार बेहतरीन शॉट लगाए और अंत में स्वर्ण पदक पक्का पर निशाना साधा। टीम में कुमकुम के साथ अंकिता भक्त ने अपने अनुभव और निरंतरता का बखूबी इस्तेमाल किया, जबकि कीर्ति ने भी महत्वपूर्ण योगदान देकर टीम को मजबूती प्रदान की। यह तीनों खिलाड़ियों के एकजुट प्रयास और तालमेल का ही परिणाम था, जिसने भारत को यह गौरवपूर्ण उपलब्धि दिलाई और देश

का मस्तक गर्व से ऊंचा किया।

एक ओर जहाँ तीरंदाजी में भारत ने सुनहरी सफलता हासिल की, वहीं क़ुरती में महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ़ 16 मुकाबले में भारतीय पहलवान दीपांशी को जापान की दिग्गज महिला पहलवान यू सुसाकी ने हरा दिया। सुसाकी, जो एक अनुभवी और खिताबी दावेदार मानी जाती हैं, ने अपने अनुभव और आक्रामक दौंव-पंच से दीपांशी पर भारी दबाव बनाया। दीपांशी ने कड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश की, लेकिन जापानी पहलवान के विश्व स्तरीय पदर्शन के आगे वे टिक नहीं पाईं और मुकाबले में हार गईं।

हालांकि, दीपांशी के लिए अभी भी पदक की उम्मीदें पूरी तरह से खत्म नहीं हुई हैं। मुसलिंग में रिपेचेज का नियम उन्हें कांस्य पदक जीतने का अवसर प्रदान कर सकता है। यदि जापानी पहलवान यू सुसाकी अपने श्रेष्ठ मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंचने में सफल रहती हैं, तो दीपांशी को रिपेचेज दौर के माध्यम से कांस्य पदक जीतने का एक और मौका मिल सकता है।

आईसीसी ने 2027 एकदिवसीय विश्व कप में भारत–पाक को एक ही ग्रुप में रखा

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 एकदिवसीय विश्वकप को लेकर कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इसमें भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है। आईसीसी ने घोषणा की है कि इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रहेंगे। 2027 के इस विश्व कप में कुल 14 टीमों रहेंगी। इसका प्रारूप भी पिछले संस्करणों से काफी अलग होगा, जो देशों के लिए और भी रोमांचक अनुभव लेकर आएगा। विश्व कप की शुरुआत 2 अक्टूबर 2027 को सुपर सीरीज से होगी, जिसमें तीन टीमों हिस्सा लेंगी। इस प्रारंभिक चरण से शीर्ष पर रहने वाली एक टीम मुख्य ग्रुप स्तर में प्रवेश करेगी। इसके बाद, कुल 12 टीमों को दो समूहों में बांटा जाएगा, जिसमें प्रत्येक समूह में छह-छह टीमें रहेंगी। हर टीम अपने समूह की बाकी सभी टीमों के खिलाफ मुकाबला खेलेगी, जिससे ग्रुप स्तर में ही कई रोमांचक मुकाबले होंगे। यह नया प्रारूप यह सुनिश्चित करेगा कि टीमों को अगले दौर में पहुंचने के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा और कोई भी मैच कम महत्वपूर्ण नहीं होगा। ग्रुप स्तर के बाद, दोनों समूहों से शीर्ष तीन टीमें सीधे अगले राउंड में पहुंचेंगी। इसके अतिरिक्त, दोनों समूहों में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। इस प्रकार, कुल सात टीमें सुपर–7 राउंड में पहुंचेंगी। सुपर–7 में पहुंचने वाली सभी टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी। जिससे अंक तालिका में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस चरण के बाद, अंक तालिका में शीर्ष चार पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। दोनों सेमीफाइनल के विजेता अंतिम खिताब के लिए महामुकाबले में उतरेंगे। 2027 एकदिवसीय विश्व कप का फाइनल मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत, जैसा कि अपेक्षित है, इस विश्व कप के सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबलों में से एक होगी। आईसीसी टूर्नामेंट में जब भी ये दोनों टीमें आमने–सामने होती हैं, तो स्टेडियम खवाखव भर जाते हैं और टेलीविजन पर रिकॉर्ड तोड़ दर्शक संख्या बढ़ जाती है। प्रशंसक अभी से इस मुकाबले की कल्पना कर रहे हैं और मैच के टिकटों की मांग आसमान छूने की उम्मीद है। यह केवल एक क्रिकेट मैच नहीं है, बल्कि भावनाओं, उम्मीदों और गौरव का प्रतीक बन जाता है, जो खेल की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखता है। इस भव्य टूर्नामेंट की मेजबानी संयुक्त रूप से दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे। इस दौरान कुल 57 मुकाबले 12 अलग–अलग स्थलों पर खेले जाएंगे।

रोहित और विराट ने आलोचकों को जवाब देने के साथ ही 2027 विश्व कप के लिए दावा ठोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ समय से अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल उठ रहे थे और कहा जा रहा था कि इन दोनों का समय अब निकल गया है और आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए इन्हें शामिल नहीं किया जाना चाहिये पर इन दोनों ने अपने पदर्शन से आलोचकों को करार जबाब दिया है। विराट और रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पदर्शन से दिखाया है कि अभी उम्रमें काफी क्रिकेट बाकि है और वे विश्वकप के लिए तैयार है। वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अपने शतकीय पदर्शनों से इन दोनों ने साबित कर

दिया है कि उनमें अभी भी वही दमखम और जीत की भूख है, जो उन्हें शीर्ष पर बनाए रखती है। इसलिए उनकी विश्वकप के लिए दावेदारी को कमजोर समझना भूल होगी। वेस्टइंडीज सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम पर भारी दबाव था। सीरीज के पहले एकदिवसीय में, कोहली ने अपने विर-परिचित अंदाज में 139 रनों की एक अविश्वसनीय नाबाद पारी खेली। इस पारी ने न केवल भारत को शानदार जीत दिलाई, बल्कि पूरी दुनिया को यह भी दिखा दिया कि रनों की उनकी भूख अभी भी वैसी ही असीमित है, जैसी एक दशक पहले थी। उनकी क्रीज पर मौजूदगी ने टीम

को स्थिरता और विपक्षी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा, जो एक अनुभवी बल्लेबाज हो कर सकता है। विराट की उस शानदार दहाड़ के बाद दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में रोहित ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों की धाजियां उड़ते हुए 101 रनों की आक्रामक, पारी खेली, जिसने पुराने रोहित को याद ताजा कर दी। उनके बल्ले से निकले छक्के और दर्शनीय पुल शॉट्स उनकी टावमिंग स्पष्ट प्रमाण थे।

इन लगातार दो शतकों के साथ, रोहित और विराट ने यह साफ कर दिया है कि जब दबाव चरम पर होता है, तब अनुभव ही सबसे बड़ा हथियार

साबित होता है। भारतीय टीम के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर, जो अपने कड़े और परिणाम-उन्मुख फैसलों के लिए जाने जाते हैं, के लिए भी यह एक स्पष्ट संदेश है कि ये दोनों दिग्गज अभी अपनी उम्र के चरम पर नहीं पहुंचे हैं, बल्कि उनका खेल अभी भी शीर्ष स्तर पर है। इन जादुई पारियों के बाद यह बात पूरी तरह से स्पष्ट हो गई है कि रोहित और विराट कोहली की निगाहें साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप पर पूरी दृढ़ता से टिकी हुई हैं। जिसे ये हर हाल में जीतना चाहते हैं। दोनों ने ही समय-समय पर कहा है कि एकदिवसीय विश्वकप जीतना उनका लक्ष्य है।



एशियाई खेल: बारिश के कारण क्रिकेट फाइनल रद्द हुआ तो दोनो टीमों बनेंगी संयुक्त विजेता

निशन (एजेंसी)। एशियाई खेलों में भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच शनिवार को यहां के कोरेगोी स्पोर्ट्स पार्क में होने वाले खिताबी मुकाबले का लोग बताबी से इंतजार कर रहे हैं। प्रशंसक हालांकि फाइनल से ठीक पहले बारिश की आशंका से डरे हुए भी हैं। वह चाहते हैं कि बारिश न हो और उन्हें एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिले। ऐसे में अगर बारिश की वजह से मैच शुरू ही नहीं हो पाता या बिना किसी परिणाम के रद्द हो जाता है, तो सवाल उठता है कि स्वर्ण पदक किये मिलेंगे?

वहीं एशियाई खेलों के पुरुष क्रिकेट फाइनल के लिए बने विशेष नियमों के अनुसार अगर यह महामुकाबला पूरी तरह रद्द हो जाता है और मैच का कोई परिणाम नहीं निकलता, तो भारत और पाकिस्तान दोनों टीमों को संयुक्त

भारतीय क्रिकेट टीम 22 अक्टूबर से न्यूजीलैंड का दौरा करेगी

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इसी माह सीमित ओवरों की टी20 और एकदिवसीय सीरीज के अलावा टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम का ये दौरा 22 अक्टूबर को पांच मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज से शुरू होगा। जो 15 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेली जाएगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंग्टन में और दूसरा



रूप से स्वर्ण दिया जाएगा।

यह नियम 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों से बिल्कुल अलग है। हांगझोउ में भारत और अफगानिस्तान के बीच पुरुष क्रिकेट का फाइनल बारिश की वजह से पूरा नहीं हो सका था। उस समय नियम के अनुसार, बेहतरी 20

शेंकंग के आधार पर भारत को स्वर्ण पदक मिला था। इस बार फाइनल के लिए कोई रिजर्व डेनहीं रखा गया है। यही कारण है कि अगर मैच वाले दिन बारिश की वजह से मुकाबला नहीं हो पाता, तो दोनों फाइनलिस्ट टीमों को संयुक्त रुप से स्वर्ण पदक दिया जाएगा। आयोजन समिति

ने भी इस नियम की पुष्टि की है, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि बारिश की स्थिति में क्या होगा।

फाइनल तक पहुंचने का सफर भी दोनों टीमों के लिए रोमांचक रहा है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में शानदार पदर्शन करते हुए श्रीलंका को 124 रनों के बड़े अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, विर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराकर फाइनल का टिकट कटया। यह मैच भी बारिश से प्रभावित रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने परिस्थितियों का बेहतर ढंग से सामना करते हुए जीत दर्ज की।

इस मैच में अगर बारिश होती है और मैच नहीं हो पाता है तो भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें स्वर्ण पदक साझा करेंगी।

चहल ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से लिया संन्यास



मुम्बई (एजेंसी)। लेग-स्पिनर युजवेंद्र चहल ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इससे लाल गेंद के प्रारूप में खेलने का उनका सपना भी अधूरा रह गया है। चहल ने हालांकि कहा है कि उनके एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की उम्मीदें अभी भी बरकरार हैं।

चहल ने अपनी इस घोषणा को सोशल मीडिया के जरिये साझा किया, जहां उन्होंने इस प्रारूप के साथ अपने गहरे जुड़ाव को बताया। उन्होंने लिखा कि लाल गेंद क्रिकेट उनके लिए केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक पाठशाला थी जिसने उन्हें धैर्य, समर्पण और मुश्किलों से उबरने की क्षमता सिखाई। मैदान पर घंटों जुझने और टेस्ट मैच के लिए तैयारी करने के संघर्ष को उन्होंने अपने खेल जीवन का एक अलग ही आनंद बताया, जो उनकी खेल भावना का अभिन्न अंग बन गया।

इस भावुक संदेश में, चहल ने कहा कि हमेशा टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू न कर पाने का उन्हें दुख रहा। उन्होंने साथ ही कहा, 'चाहे टेस्ट खेलने का मेरा यह सपना पूरा नहीं हो सका, लेकिन मैं अपने यादगार सफर से बेहद खुश हूं और इस फॉर्मेट में मिले हर एक अवसर और अनुभव के लिए दिल से आभार व्यक्त करता हूं। यह उनके क्रिकेट करियर का एक महत्वपूर्ण, फिर भी

अधूरा पहलू रहा।

हालांकि, चहल ने साफ तौर पर यह भी बताया कि उनका क्रिकेट करियर अभी समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने केवल फर्स्ट-क्लास फॉर्मेट को अलविदा कहा है और वह अब भी एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट में सक्रिय बने रहेंगे। उनका भारतीय टीम की ओर से सीमित ओवरों के प्रारूपों में खेलने का सपना अभी भी बरकरार है और वह इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, टीम इंडिया के लिए खेलने की भूख मेरे अंदर अभी भी उतनी ही तीव्र है जितनी पहले थी। मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे भीतर अभी काफी क्रिकेट बचा हुआ है और मैं एकदिवसीय तथा टी20 में देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका पाने के लिए अपनी पूरी मेहनत और समर्पण से प्रयास करूंगा। उनका यह बयान भविष्य के प्रति उनकी दृढ़ता और खेल के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है।

चहल के फर्स्ट-क्लास करियर पर नजर डालें तो, उन्होंने 49 मैचों में कुल 148 विकेट हासिल किए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, सफेद गेंद के क्रिकेट में वह भारत के प्रमुख स्पिनरों में से एक रहे हैं, जिन्होंने 72 एकदिवसीय मैचों में 121 विकेट और 80 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 96 विकेट लिए हैं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित ये बदलाव इस माह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हुए हैं लागू

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने क्रिकेट के नियमों में कई बड़े बदलाव किये हैं ये नए नियम इस माह से लागू भी हो गये हैं। वहीं पहले से जारी सीरीज में पुराने नियमों का पालन किया जाएगा। इन बदलावों में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय समय की बर्बादी रोकने के लिए लागू की गई रनों की पेनल्टी है, साथ ही टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का ट्रायल भी शामिल है। अब बल्लेबाज को एक गेंद खेलने के बाद अगली गेंद के लिए तय समय सीमा के भीतर तैयार रहना होगा। इस नियम के उल्लंघन पर पहली बार चेतावनी दी जाएगी, दूसरी बार अंतिम चेतावनी और तीसरी बार नियम तोड़ने पर फील्डिंग टीम को 5 पेनल्टी रन मिलेंगे। इसके बाद हर बार नियम तोड़ने पर विपक्षी टीम को 5 रन का फायदा होगा। यह नियम बेवजह की देरी को रोककर मैच को समय पर समाप्त करने में मदद करेगा। एक बड़े बदलाव के तहत, दिन में होने वाले टेस्ट मैचों में अब टीमें ट्रायल के तौर पर गुलाबी गेंद का इस्तेमाल कर सकेंगी। यह ट्रायल दोनों टीमों की सहमति पर निर्भर करेगा। इसका लक्ष्य खराब रोशनी के कारण समय से पहले मैच खत्म होने की स्थिति से बचना है। महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए गेंद के आकार और वजन को लेकर भी सख्त नियम बनाए गए हैं, जिसके तहत गेंद का वजन 142 से 149 ग्राम और परिधि 21.5 से 22 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए। ओवरथ्रो के नियम को भी और स्पष्ट किया गया है ; अब इसे केवल तभी ओवरथ्रो माना जाएगा जब फील्डर रन रोकने या बल्लेबाज को रन-आउट करने के उद्देश्य से गेंद को स्टॉप्स की तरफ फेंकेगा। मिसफील्डिंग को अब ओवरथ्रो नहीं माना जाएगा। इसके अतिरिक्त, गेंद को पूरी तरह स्थिर मानने के लिए अब उसका गेंदबाज या विकेटकीपर के हाथ में होना अनिवार्य नहीं होगा, जिससे अपायर को करीबी मुकाबलों में बेहतर निर्णय लेने का अधिकार मिलेगा। टैपिंग या रन-आउट के समय फील्डर का गेंद पर पूर्ण नियंत्रण होना जरूरी होगा। यदि गेंद केवल फील्डर को छूती हुई स्टॉप्स पर लगती है, तो इसे नियंत्रण में नहीं माना जाएगा। टेस्ट मैच में दिन के खेल के आखिरी ओवर से जुड़ा नियम भी बदला है। अब यदि आखिरी ओवर में विकेट गिरता है, तो भी पूरा ओवर खेला जाएगा, दिन का खेल तुरंत समाप्त नहीं होगा। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में इनिंग ब्रेक का समय 15 मिनट निर्धारित किया गया है, हालांकि समय नुकसान होने पर इसे 10 मिनट तक घटाया जा सकता है। एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में तय ड्रिंस ब्रेक के दौरान अब डेड कोच या उनके चयनित प्रतिनिधि मैदान पर आ सकेंगे। वाइड बॉल का नियम अब स्थायी रूप से एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय में शामिल कर लिया गया है, जिसमें वाइड का निर्णय गेंद केके जाने के समय बल्लेबाज की पैरों की स्थिति के आधार पर होगा, भले ही बल्लेबाज बाद में अपनी स्थिति बदल ले।

बाकू में फीफा अंडर–15 विश्व कप फुटबॉल में भाग लेगी भारतीय टीम

बाकू । विश्व फुटबॉल की उभरती हुई प्रतिभाएं अब अजरबैजान के बाकू में इसी माह होने होने वाले पहले फीफा अंडर–15 विश्व कप और फेडरेशन अजरबैजान 2026 में खेलती दिखेंगी। ये टूर्नामेंट 22 से 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें कुल 191 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम भी इसमें भाग लेगी। भारतीय टीम ग्रुप में एफ रखा गया है। इसमें भारतीय टीम 24 से 26 अक्टूबर के बीच लाओस, कैमरून, ग्रेनाडा, बहरीन और सेनेगल से पांच मैच खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार इस टूर्नामेंट से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा।भारतीय टीम 24 अक्टूबर को सुबह लाओस से खेलेग। इसके बाद, 25 अक्टूबर को भारत का मुकाबला कैमरून से और फिर ग्रेनाडा से होगा। योग्यता चरण 26 अक्टूबर को दो मैचों के साथ समाप्त होगा। इसके बाद वह बहरीन और सेनेगल से खेलेगी। यह व्यस्त कार्यक्रम युवा खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर एक बड़ी चुनौती पेश करेगा। , इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में कुल 191 राष्ट्रीय टीमें भाग ले रही है। ये 32 अलग–अलग ग्रुपों में बंटी हुई हैं।



असल जिंदगी में सांपों से बेहद डरती हैं मौनी रॉय

बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय टेलीविजन से बॉलीवुड तक का लंबा सफर ने तय किया है। छोटे परदे के 'नागिन' धारावाहिक में निभाया गया उनका किरदार उनके करियर की सबसे चर्चित भूमिकाओं में शामिल रहा। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। हालांकि, पर्दे पर सांपों से जुड़ा किरदार निभाने वाली मौनी रॉय ने हाल ही में अपने बारे में एक दिलचस्प बात बताई है। उन्होंने खुलासा किया कि वह असल जिंदगी में सांपों से बेहद डरती हैं। मौनी ने यह बात फराह खान के यूट्यूब चैनल में बातचीत के दौरान बताई। फराह खान अपने कुक दिलीप के साथ मौनी रॉय के नए घर पहुंची थीं। बातचीत के दौरान जब सांपों और 'नागिन' धारावाहिक का जिक्र आया तो मौनी ने बताया कि बचपन से ही उन्हें सांपों से डर लगता है। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि 'नागिन' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री को सांप पसंद होंगे, लेकिन उनके मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। मौनी ने अपने धारावाहिक के दिनों को याद करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान उन्हें वास्तविक सांपों के साथ काम नहीं करना पड़ता था। ऐसे दुश्मनों के लिए वीएफएक्स और डमी सांपों का इस्तेमाल किया जाता था। इसके बावजूद अगर सेट पर सांप जैसा कुछ भी दिखाई देता था तो वह घबरा जाती थीं। उन्होंने बताया कि सेट पर मौजूद लोग भी इस बात को लेकर उन्हें मजाक में चिढ़ाते थे कि वह खुद नागिन का किरदार निभा रही हैं और सांप से ही डरती हैं। 128 सितंबर 1985 को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में जन्मी मौनी ने टेलीविजन पर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। उन्हें वर्ष 2007 में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से बड़ा अवसर मिला, जिसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया। इसके बाद 'कस्तूरी' और 'देवों के देव... महादेव' जैसे धारावाहिकों में नजर आईं। 'महादेव' में सती की भूमिका ने उनकी लोकप्रियता बढ़ाई। हालांकि, वर्ष 2015 में 'नागिन' से उन्हें बड़ी पहचान मिली। उन्होंने शिवन्या और शिवांगी की भूमिकाओं के जरिए दर्शकों का ध्यान खींचा।

नुसरत भरुचा बाली में हुई हादसे का शिकार, अस्पताल में भर्ती



बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा को लेकर एक चिंताजनक खबर सामने आई है। इंग्लैंड में स्थित द्वाप बाली में एक वर्क कमिटमेंट के सिलसिले में गई अभिनेत्री वहां एक दुर्घटना का शिकार हो गई हैं। दुर्घटना के बाद उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। खबरों के अनुसार नुसरत अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट के सिलसिले में बाली गई थीं और काम खत्म होने के बाद उन्होंने वहां अपना स्टे कुछ दिनों के लिए बढ़ा लिया था। इसी दौरान वे हादसे की शिकार हो गईं। अभी तक इस बात की जानकारी ठीक-ठीक नहीं लग पाई है कि उनका चोट कितना गंभीर है और किस तरह का हादसा उनके साथ हुआ है। इस खबर के सामने आते ही नुसरत के फैंस और बॉलीवुड सितारों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना शुरू कर दी है। एक तरफ जहां नुसरत के प्रशंसक उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी पेशेवर जिंदगी से एक बड़ी और उत्पाहजनक खबर भी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नुसरत भरुचा ने बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ की आगामी ब्लॉकबस्टर फिल्म साइन कर ली है। नुसरत भरुचा बॉलीवुड की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और अभिनय के बल पर सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई है। 'प्यार का पंचनामा', 'सोनु के टीटू की रिश्ता' और 'छोरी' जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाली नुसरत को हाल ही में कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म 'उफ ये सियापा' में अभिनेता सोहम शाह के साथ देखा गया था।



बॉलीवुड के गानों ने दिखाया अभिनेत्री बनने का सपना: शरवरी वाघ

अपने अभिनय करियर की शुरुआत अभिनेत्री शरवरी वाघ ने पर्दे के सामने आने से पहले सहायक निर्देशक के तौर पर की थी। शरवरी वाघ अब रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री शरवरी ने अपने अभिनय के सफर और बॉलीवुड से अपने पुराने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की। शरवरी ने बताया कि बॉलीवुड के गाने, संगीत और नृत्य ने बचपन से ही उनके भीतर अभिनेत्री बनने का सपना पैदा किया था। शरवरी के मुताबिक, वह बचपन से बॉलीवुड के लोकप्रिय गीतों और उनमें नजर आने वाले कलाकारों से प्रभावित रही हैं। उन्होंने माधुरी दीक्षित को 'दीदी तेरा देवर दीवाना' और करिश्मा कपूर तथा सोनाली बेंद्रे को 'मैय्या यशोदा' जैसे लोकप्रिय गीतों में देखा था। इन गानों को देखते हुए वह घर पर खुद भी उनके स्टेप करने की कोशिश करती थीं। शरवरी ने बताया कि वह कई बार खुद को कल्पना में उन अभिनेत्रियों की जगह रखती थीं और सोचती थीं कि एक दिन वह भी बड़े पर्दे पर इसी तरह दिखाई देंगी। अभिनेत्री का कहना है कि बचपन के यही

अनुभव धीरे-धीरे बॉलीवुड के प्रति उनके लगाव की वजह बने। उनके लिए फिल्मों की दुनिया सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रही, बल्कि संगीत, नृत्य, रोमांस और भावनाओं से जुड़ा एक ऐसा अनुभव रही, जिसने उन्हें लगातार आकर्षित किया। शरवरी ने कहा कि क्लासिक बॉलीवुड गीतों में कहानी को गाने और नृत्य के माध्यम से आगे बढ़ाने का अंदाज उन्हें हमेशा पसंद रहा है। 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर भी शरवरी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि सूरज बड़जात्या की फिल्म के साथ उस तरह के पारंपरिक बॉलीवुड को जीने का अवसर मिलना उनके लिए खास अनुभव है, जिसे देखते हुए वह बड़ी हुई हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, फिल्म के जरिए उन्हें उस दौर की भावनाओं और रोमांस को पर्दे पर महसूस करने का मौका मिल रहा है, जिसके प्रति वह बचपन से आकर्षित रही हैं। फिल्म का शीर्षक गीत हाल ही में जारी किया गया है, जिसमें कहानी और कलाकारों की हल्की झलक देखने को मिली है। फिल्म में शरवरी पहली बार आयुष्मान खुराना के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

विद्या बालन और पति सिद्धार्थ रॉय कपूर की केमिस्ट्री की हो रही खूब तारीफ



हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन और उनके पति सिद्धार्थ रॉय कपूर का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा है। एयरपोर्ट के इस वीडियो में सिद्धार्थ अपनी पत्नी विद्या को सी-ऑफ करने पहुंचे थे, जहां टर्मिनल के बाहर कपल ने पैपराजी के लिए मुस्कराते हुए पोज दिए और फिर एक-दूसरे को गले लगाकर और किस करके विदा ली। उनका यह रोमांटिक अंदाज अब फैंस के बीच खूब चर्चा में है। यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया, और फैंस ने इस प्यारे पल पर जमकर प्रतिक्रिया दीं। सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में इस कपल की केमिस्ट्री की खूब तारीफ की। कई फैंस ने उन्हें बेस्ट बॉलीवुड कपल और अडोरेबल बताया, वहीं कुछ ने उनसे गुजारिश की कि वे साथ में अक्सर पब्लिक में दिखा करें क्योंकि वे एक-दूसरे के साथ बहुत अच्छे लगते हैं। फैंस की खुशी इस बात से भी जाहिर हो रही थी कि आमतौर पर मीडिया की चकाचौंध से दूर रहने वाले इस कपल का यह अनसनी रोमांटिक पल उनके लिए एक खास ट्रीट था। विद्या बालन और सिद्धार्थ रॉय कपूर की शादी 14 दिसंबर 2012 को मुंबई में हुई थी। शादी से पहले दोनों ने कुछ साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। विद्या ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि फिल्ममेकर करण जोहर ने उनकी मुलाकात कराने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद एक पार्टी में दोनों की मुलाकात हुई और उनका रिश्ता आगे बढ़ा। यह कपल अपनी शादीशुदा जिंदगी को काफी निजी रखना पसंद करता है, इसलिए यह सार्वजनिक प्रदर्शन उनके प्रशंसकों के लिए और भी खास बन गया। सिद्धार्थ रॉय कपूर फिल्म प्रोड्यूसर और मीडिया इंडस्ट्री के जाने-माने नाम हैं। वह रॉय कपूर फिल्म के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, और इससे पहले वह द वॉल्ट डिज्नी कंपनी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर भी रह चुके हैं। उनकी प्रोडक्शन कंपनी ने पिप्पा, तुमसे ना हो पाएगा, आरण्यक और रॉकेट बॉयज जैसे सफल प्रोजेक्ट दिए हैं। इसके अलावा, वह दंगल, चेन्नई एक्सप्रेस, बर्फी!, काई पो चे! और हैदर जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के प्रोडक्शन से भी जुड़े रहे हैं।

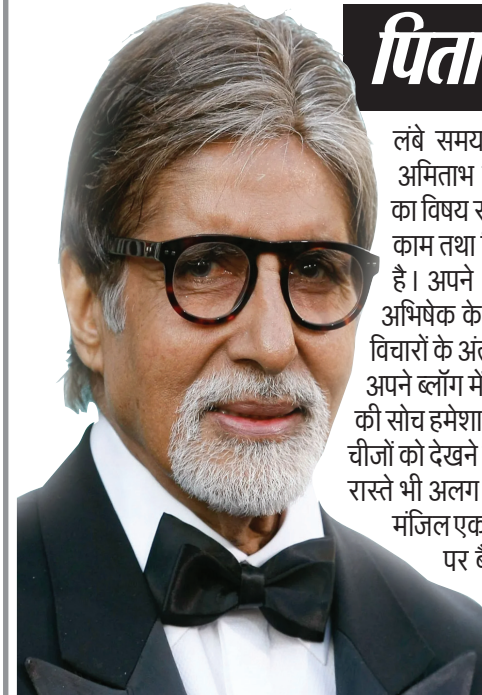
मां बनने से नहीं है परहेज; रिलेशनशिप पर श्रुति हासन ने की बात



अभिनेत्री श्रुति हासन अपने निजी जीवन को फैंस से दूर ही रखती हैं। उनकी दोस्ती या डेटिंग को लेकर ज्यादा खबरें फैंस को नहीं मिलती। मगर हाल ही में सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर एट्रेस ने अपनी शादी के बारे में कई बातें कही। शादी पर क्या बोलीं श्रुति हासन? बीते दिनों श्रुति हासन सोहा अली खान के पॉडकास्ट के पॉडकास्ट में मेहमान बनकर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने अपनी शादी पर बात करते हुए कहा, 'मुझे साथ बहुत पसंद है। लेकिन मैंने अपना पूरा जीवन इस तरह से जिया है कि मैं किसी सांचे में फिट नहीं बैठती। अजीब बात है कि मैं कुछ मामलों में बहुत पारंपरिक हूं और कुछ अन्य मामलों में मेरा दृष्टिकोण काफी रूढ़िवादी है, लेकिन ऐसा इसलिए है

योंकि किसी ने मुझे इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए मजबूर नहीं किया। मां बनना चाहती हैं एक्ट्रेस आगे बातचीत के दौरान श्रुति हासन ने कहा, 'मुझे इस बात की खुशी है कि मैं और मेरा पार्टनर हर दिन एक-दूसरे को चुनते हैं, लेकिन कागजी कार्रवाई का वजह से नहीं। यही मेरा डर है। वरना, और कुछ नहीं। मैं शादी के बहुत करीब आ गई थी, और जब बात शादी तक पहुंची तो मुझे उतना डर नहीं लगा। मैं ज्यादा खर्च करने वालों को शर्मिंदा नहीं कर रही, लेकिन यह बात मुझे हमेशा परेशान करती है। दान में दे दो, मैं गोद लेने के लिए तैयार हूं, मैं सच में सिर्फ मां बनना चाहती हूं, लेकिन मैं इसे अपने जैविक स्वरूप के विस्तार के रूप में भी आजमाना चाहूंगी।' श्रुति हासन का वर्कड साल 2025 में श्रुति हासन को आखिरी बार फिल्म 'कुली' में देखा गया था। एट्रेस विजय सेतुपति के साथ 'ट्रेन' में अभिनय करती नजर आएगी। यह फिल्म 2026 के अंत में रिलीज हो सकती है। वहीं दुलकर सलमान के साथ 'आकाशमली ओका तारा' भी उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट का हिस्सा है। एसएस राजामौली की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'वारणसी' के एक गाने में श्रुति ने अपनी आवाज भी दी है।

पिता और पुत्र की सोच हमेशा एक जैसी हो, यह जरूरी नहीं: अमिताभ



लंबे समय से बेटे अभिषेक बच्चन से उनके पिता अमिताभ बच्चन का रिश्ता प्रशंसकों की दिलचस्पी का विषय रहा है। कई मौकों पर दोनों ने एक-दूसरे के काम तथा विचारों को लेकर अपनी राय भी साझा की है। अपने ब्लॉग के जरिए अब अमिताभ बच्चन ने अभिषेक के साथ अपने रिश्ते और दो पीढ़ियों के बीच विचारों के अंतर को लेकर कुछ बातें लिखी हैं। अपने ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने कहा कि पिता और पुत्र की सोच हमेशा एक जैसी हो, यह जरूरी नहीं है। दोनों का चीजों को देखने का नजरिया अलग हो सकता है और उनके रास्ते भी अलग हो सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी मंजिल एक हो सकती है। उन्होंने लिखा कि एक ही मंच पर बैठे पिता और पुत्र के विचार भले ही अलग हों, लेकिन अंतिम उद्देश्य एक हो सकता है। अमिताभ बच्चन ने नई पीढ़ी के प्रति अपने सम्मान की बात भी कही। उन्होंने कहा कि

विचार और रास्ते अलग होने के बावजूद मंजिल एक हो सकती है। उनके अनुसार, हर रास्ते का उद्देश्य ऐसी मंजिल तक पहुंचना होना चाहिए, जो सभी के लिए बेहतर और लाभकारी हो। उन्होंने अपने और अभिषेक के रिश्ते को एक-दूसरे को समझने, जानने और समय के साथ एक-दूसरे को खोजने की प्रक्रिया के रूप में भी बताया। महानायक ने अपने संदेश में प्यार और सम्मान को रिश्ते का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उनकी इस टिप्पणी को पिता-पुत्र के संबंधों के व्यापक संदर्भ में भी देखा जा रहा है, जहां दो अलग पीढ़ियों की सोच के बावजूद पारिवारिक जुड़ाव कायम रहता है। अमिताभ के अनुसार, मतभेद रिश्ते की मजबूती में बाधा जरूरी नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे को समझने का अवसर भी बन सकते हैं। अमिताभ बच्चन फिलहाल लोकप्रिय टेलीविजन क्रिज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' की मेजबानी कर रहे हैं। यह कार्यक्रम ब्रिटिश प्रारूप 'हू वॉन्स टू बी अ मिलियनेयर?' का आधिकारिक



हिंदी रूपांतरण है। शो में प्रतियोगियों से सामान्य ज्ञान और विभिन्न विषयों से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। उन्हें प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प दिए जाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर लाइफलाइन का इस्तेमाल करने का अवसर भी मिलता है।

खाते-पीते पौधे

जब पौधों को जमीन से पर्याप्त मात्रा में नाइट्रोजन नहीं मिलता तो वे नॉनवेज खाना शुरू कर देते हैं। सुनकर अजीब सा लग रहा है ना? पर ये सच है। दुनिया भर में इस तरह की करीब 600 पौधों की प्रजातियां पाई जाती हैं। ये पौधे कार्निवोरस यानी कीटभक्षी कहलाते हैं। कीटों को खाकर ये पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। चलो, आज इन्हीं के बारे में जानते हैं...

ड्रोसेरा

इस पौधे में चारों ओर पतियां होती हैं। हर पत्ती पर बाल होते हैं। इस पौधे से एक चमकीला पदार्थ निकलता रहता है। कीड़ा इसे देखकर सम्मोहित होता है और पौधे के पास आता है। इसके बाद पौधे के ये बालनुमा रेशे कीड़े को पकड़कर नीचे की ओर ले जाते हैं और वहां पौधे द्वारा कीट को खा लिया जाता है। यह पौधा मुख्य रूप से पानी वाले क्षेत्र के आसपास पाया जाता है।



वीनस फ्लाईट्रैप



यह पौधा अमेरिका में पाया जाता है। यह कीटों को खा जाता है। इस पौधे को देखोगे तो लगेगा जैसे दो फ्लैप लगे हैं। ये फ्लैप खुले होते हैं। इन फ्लैप्स पर बाल होते हैं। जैसे ही कीट इस पौधे के पास आता है तो बाल उसे खींचकर फ्लैप के अंदर डाल देते हैं और फिर फ्लैप बंद हो जाते हैं। जब कीड़ा पूरा खा लिया जाता है, तब पौधे के फ्लैप फिर से खुल जाते हैं। इस पौधे के संसार इतने तेज होते हैं कि अगर किसी पेंसिल की नोक या अन्य चीज से तुम फ्लैप को छुओगे तो भी फ्लैप बंद नहीं होंगे, पर हां, एक कीट के स्पर्श करते ही ये बंद हो जाते हैं।

ब्लैडरवर्ट

इसके पत्ते काफी बारीक होते हैं। ज्यादातर यह पौधा पानी में तैरता है। इसकी कुछ पतियां फूलकर एक थैली के आकार की हो जाती हैं। इस थैली के मुंह पर तीन बाल होते हैं, जो पानी में तैरते कीड़े को पकड़कर थैली के अंदर डाल देते हैं। जैसे ही कीड़ा अंदर गिरता है तो थैली का मुंह अपने आप बंद हो जाता है और कीड़ा वहां मर जाता है। इसके बाद पौधा इस कीड़े को खा जाता है। जब कीड़ा खत्म हो जाता है तो थैली का मुंह फिर से खुल जाता है अगले कीड़े की तलाश में।



नेपेनथीस

नेपेनथीस को एशियन पिचर प्लांट्स भी कहा जाता है। ये समुद्र के अंदर पाए जाते हैं और ठंडे पहाड़ी प्रदेशों में भी मिलते हैं। इसकी पतियों में एक विशेष तरह का तरल पदार्थ होता है, जिससे इसमें गिरने वाला कीट चिपक जाता है और फिर यह उस कीट को खा जाता है। इस पौधे के पत्तों का ऊपरी हिस्सा सुराही के आकार का होता है, और मुंह पर एक ढक्कन रहता है। सुराही की परिधि से एक तरल पदार्थ निकलता है, जो कीट को आकर्षित करता है। जैसे ही कीट इस पर बैठता है तो वो अंदर फिसल जाता है और वहां मर जाता है। सुराही के अंदर के बैक्टीरिया उसे सड़मते हैं और तब वह पौधे के द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है।



ऐसा होता है सिंहमुख बंदर

सिंहमुख बंदर को सामान्यतः स्याह-बंदर कहते हैं...। यह 20-24 इंच लंबा होता है, जिसमें 10-15 इंच की पूंछ होती है। मादा नर से छोटी होती है। पूरे शरीर पर गहरे भूरे बाल होते हैं। चेहरे के आसपास शेर के अयाल की तरह लंबे बाल एवं पूंछ के छोर पर घने लंबे बाल का गुच्छा होने से इसे इंग्लिश में 'सिंहमुख बंदर' (Lion Tamarin) कहते हैं। यह पश्चिम में कर्नाटक के उत्तरी भाग से केरल तथा कन्याकुमारी तक पाया जाता है। यह घने जंगलों में 12-20 के समूह में रहते हैं। इनकी आवाज मनुष्य की खांसी की आवाज से मिलती है। घने जंगलों के नष्ट होने एवं अवैध शिकार के कारण यह दुर्लभ हो चले हैं। अपने बिछुड़े साथी को बुलाने के लिए यह भारी आवाज में कबूतर की तरह गू-गू करते हैं। एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए यह पेड़ों से उतरकर जमीन पर चलते हुए जाते हैं। इनके नवजात शिशु सितंबर माह में अपनी माता के उदर से चिपके दिखाई देते हैं।

कौवे भी करते हैं मनुष्यों जैसे इशारे



वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पाया है कि कौवे भी मनुष्यों की तरह इशारे करते हैं। जैसे मनुष्य चीजों को दिखाने के लिए इशारे करते हैं ऐसे ही कौवे अपने पंखों को हिलाकर इशारे करते हैं। सालों पहले वैज्ञानिकों ने यह पता लगा लिया था कि रावेन प्रजाति के कौवे अन्य पक्षियों के मुकाबले बहुत ज्यादा तेज दिमाग के होते हैं। शोध के लेखक सिमोन पिका ने कहा कि लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है जब रावेन को मनुष्यों की तरह इशारे करते हुए देखा गया है। ऐसी बातें जंगली जीवों में विरले ही नजर आती हैं। सिमोन पिका जर्मनी के मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट फार ओरनिथोलॉजी में जीवविज्ञानी हैं। लाइव साइंस ने पिका के हवाले से लिखा है कि रावेन को मनुष्यों की तरह इशारे करते हुए देखने के लिए उनके दल ने जंगलों की खूब खक छनी है। उन्होंने कहा कि अब वह अपने दल के साथ रावेन द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अन्य इशारों की जांच पड़ताल करेंगे। फिलहाल उनके शोध के अनुसार रावेन भी चीजों की ओर इंगित करने के लिए मानवों की तरह इशारे करते हैं।

ऐसे भी मरता है पेड़

अगर हम किसी पेड़ को काट देते हैं तो वह मर जाता है, यह तो तुम सभी जानते हो। मगर कभी-कभी जब तुम खेलते हुए किसी पेड़ पर झड़ंग करने लगते हो या फिर उस पर अपना नाम लिखते हो तो उस समय पेड़ को काफी दर्द होता है। दरअसल, ऐसा करके तुम पेड़ का महत्वपूर्ण टिशू, जिसे फ्लोएम कहते हैं, उसे काट देते हो। इसी टिशू की मदद से पेड़ अपनी पत्तियों और अन्य भागों तक भोजन पहुंचाता है। जब भी कोई उनके तने को रगड़ता है तो इस टिशू के नष्ट हो जाने से पेड़ के दूसरे भागों में खाने की सप्लाई रुक जाती है। इससे पेड़ की जड़ सूखना आरंभ हो जाती है। जब जड़ सूख जाती है तो वह पेड़ के अन्य भागों को मिट्टी से प्राप्त खनिज व पानी की सप्लाई नहीं कर पाती। पत्तियों को जब पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलता तो वे भोजन नहीं बना पाती और धीरे-धीरे पेड़ सूख जाता है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ इंसान ही पेड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं। दरअसल कई बार जानवर भी ऐसा करते हैं। भूखे खरगोश पेड़ को छीलते हैं। इसी तरह जब हिरण खुद को पेड़ से रगड़ता है तो भी ऐसा ही होता है।



सबसे बड़ा पेड़

सबसे बड़ा पेड़ है जाइंट सिकोउआ। यह कैलिफोर्निया के सिकोउआ नेशनल पार्क में है। इसे जनरल शेरमन भी कहा जाता है। इस पेड़ का व्यास 52,500 क्यूबिक फीट है। ऐसा माना जाता है कि यह पेड़ तकरीबन 2,000 साल पुराना है। इसकी लंबाई 83 मीटर है।



बूढ़ा पेड़ ये है

दुनिया का सबसे बूढ़ा पेड़ है मेथूसीलाह। इसकी उम्र है 4,845 साल। यह कैलिफोर्निया में है। यह ब्रिस्टलकोन पाइन है। इसके बाद नंबर आता है जोरेस्ट्रियन सर्व का। इसकी उम्र 4,000 साल बताई जाती है और यह ईरान में है।

लंबा पेड़

दुनिया के सबसे लंबे पेड़ अमेरिका के कैलिफोर्निया में हैं। इन्हें रेडवुड्स कहा जाता है। ये पेड़ बड़ी आसानी से 91 मीटर की ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं। रेडवुड्स पेड़ों में से एक है हाईपीरियन ड्वार्फ। इसे साल 2006 में ढूंढा गया था। इस पेड़ की ऊंचाई करीब 115 मीटर है। तब से इसे विश्व का सबसे लंबा पेड़ माना जाता है। दूसरे लंबे रेडवुड्स में हेलिओस है, जो 114 मीटर लंबा है, इसके बाद डेकरस है जो 113 मीटर लंबा है।

ये भी हैं खतरनाक

सेफालोटस दक्षिण-पश्चिम आस्ट्रेलिया में पाया जाता है। इसे आस्ट्रेलियन पिचर प्लांट के नाम से भी जाना जाता है। यह काफी कीटों को खा जाता है। बिबलिस को रेनबो प्लांट भी कहा जाता है। यह भी काफी खतरनाक कीटभक्षी पौधों में से एक है।



‘न्यूट्रीनो’ की मदद से खुलेगा ब्रह्मांड का रहस्य

खगोल वैज्ञानिकों का दावा है कि एक नये अध्ययन से परमाणु के सूक्ष्म हिस्से ‘न्यूट्रीनो’ को मापने में मदद मिलेगी। परमाणु के यह सूक्ष्म हिस्से ब्रह्मांड के सबसे हल्के कण हैं। करीब 200 रातों तक आकाश गंगा का अध्ययन करने और सैकड़ों गणनायें करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय दल का कहना है कि इस अध्ययन से न्यूट्रीनो के भार का पता करने में सहायता मिलेगी और यह खोज जबरदस्त प्रगति साबित होगी। ‘फिजीकल रिव्यू द रेपिड कम्युनिकेशन’ में प्रकाशित इस अनुसंधान में कहा गया है कि न्यूट्रीनो के भार को मापने के लिये ब्रह्मांड का अध्ययन कर की गई गणनायें प्रयोगशाला की गणनाओं से ज्यादा सही साबित होती हैं। ब्रह्मांड के इस सबसे हल्के कण को भार रहित भी माना जाता है। शोध का नेतृत्व करने वाले डॉ सिग्ने रिमर सोरेनसेन ने कहा कि इस नवीन खोज से शोधकर्ताओं को न्यूट्रीनो के भार के बारे में सही ज्ञान मिलेगा जिससे ब्रह्मांड के बारे में नई समझ पैदा हो सके और उसके बारे में कई रहस्य खुल सकें।